आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

नं. 1 क्षेत्रीय अखबार

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 40 अंक 10 | इंदौर, सोमवार 10 अगस्त, 2026 | श्रावण कृष्ण 12 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-4.00 | www.awantika.com

प्रदेश में उत्साह और उमंग के साथ आरंभ हुई हर घर तिरंगा अभियान की गतिविधियां

सीएम डॉ. यादव ने टी.टी. नगर स्टेडियम में यात्रा का किया शुभारंभ

पूरा स्टेडियम तिरंगे से हुआ सराबोर, मुख्यमंत्री को मोटरसाइकिल पर देख विद्यार्थी हुए आल्हादित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हर घर तिरंगा अभियान - तिरंगा यात्रा का तात्या टोपे स्टेडियम भोपाल में शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टी.टी. नगर स्टेडियम में तिरंगा यात्रा आरंभ करने की विधिवत घोषणा की तथा तिरंगा यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इससे, पहले मुख्यमंत्री निवास पर तिरंगा लगाया और वे हर घर तिरंगा अभियान के शुभारंभ के लिए मुख्यमंत्री निवास से तिरंगा लेकर रवाना हुए। मुख्यमंत्री निवास का समस्त स्टॉफ हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता के जयघोष के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में समत्व भवन तक पैदल पहुंचा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवास से मोटरसाइकिल पर तात्या टोपे स्टेडियम के लिए रवाना हुए। स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर, वरिष्ठ विधायक एवं अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, विधायक रामेश्वर शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी, सांसद भोपाल आलोक शर्मा, भोपाल महापौर मालती राय तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पूरी दुनिया भारत के सामर्थ्य का कर रही अनुभव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरी दुनिया बदलते दौर के भारत के सामर्थ्य का अनुभव कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी सभी वर्गों के कल्याण के लिए संकल्पित होकर आगे बढ़ रहे हैं। अमृतकाल@2047 के आते-आते भारत अपनी पूर्ण शक्ति के साथ जियो और जीने दो तथा वसुधैव कुटुंबकम् के ध्येय वाक्य के बलबूते पर अपने उद्दात्त विचारों के साथ विश्व का अग्रणी देश बने यही हमारी कामना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सर्वहारा वर्ग के कल्याण और देश के सभी नागरिकों की बेहतरीन के भाव के साथ हम आजादी का आनंद अपने उत्तरदायित्वों का पालन करें और यह कामना करें कि हमारी स्वतंत्रता चिर अमर रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर घर तिरंगा अभियान और तिरंगा यात्रा में बच्चों, युवाओं, वरिष्ठजन और बहनों सहित समाज के सभी वर्गों से उत्साह-उमंग केसाथ शामिल होने का आव्हान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम देश की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हों और देश की सेवा भी करते रहें।

सीएम का पुष्प वर्षा से हुआ स्वागत

सीएम डॉ. यादव के नेतृत्व में टी.टी. नगर स्टेडियम से तिरंगा यात्रा आरंभ हुई। यात्रा में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, एनसीसी कैडेट्स, स्वयं सेवी संगठनों के सदस्य, वरिष्ठ नागरिक, न्यू मार्केट और माता मंदिर क्षेत्र के व्यापरी, और स्थानीय जन शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा स्टेडियम से महाराणा प्रताप लोक, टीन शेड, सांदीपनि विद्यालय टी.टी नगर पहुंची। यहां से मुख्यमंत्री मोटर साइकिल पर तिरंगा लेकर रवाना हुए और न्यू मार्केट, रोशनपुरा, पॉलिटेक्निक चौराहा होते हुए मुख्यमंत्री निवास पहुंचे। मार्ग में अलग-अलग स्थानों पर न्यू मार्केट व्यापार संरक्षण समिति सहित अन्य संस्थानों ने बैण्ड पर प्रस्तुत देशभक्ति धुनों के बीच पुष्प-वर्षा कर सीएम का स्वागत-अभिवादन किया।

प्रदेश में 14 अगस्त तक चलेगा हर घर तिरंगा अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर मीडिया से चर्चा में कहा कि आज ही के दिन 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन आरंभ हुआ था। महात्मा गांधी के आह्वान पर गुलामी के विरुद्ध आरंभ हुए इस निर्णायक संघर्ष ने अंग्रेजों की चूलें हिला दिला दी थीं। इस आंदोलन से विश्व ने भारत में आजादी की ललक देखी। देश की आजादी के लिए क्रांतिकारियों द्वारा दिए गए बलिदान और संघर्ष के साथ ही अहिंसक आंदोलन से पूरे देश में ज्वार उठा। इसी के परिणाम स्वरुप 5 सालों में ही अंग्रेजों को घोषित तिथि से पहले ही देश को आजादी देनी पड़ी। सभी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान से ही भारत आजाद हुआ। हर घर तिरंगा अभियान सभी स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान को स्मरण करने का अवसर है। यह अभियान 9 अगस्त से आरंभ होकर 14 अगस्त तक चलेगा। प्रदेश के हर गांव, वार्ड, कस्बे, से लेकर राजधानी तक तिरंगा यात्राएं निकाली जाएगी और अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से अपने घरों पर तिरंगा लगाने का आव्हान भी किया।

बढ़ती एयर कनेक्टविटी से प्रदेश में विकास नया आयाम हो रहा आरंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बढ़ती एयर कनेक्टिविटी से प्रदेश में विकास का नया आयाम आरंभ हो रहा है। राजधानी भोपाल को देश के दो प्रमुख नगरों, कोलकाता और पटना से एयर कनेक्टिविटी मिल रही है। एक फ्लाइट भोपाल से रीवा होते हुए कोलकाता जाएगी और दूसरी फ्लाइट भोपाल से सीधे पटना को जोड़ेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भविष्य में लगभग 10 नए एयरपोर्ट प्रदेश में और बनाए जाएंगे, इस दिशा में राज्य सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

उज्जैन से भगवान महाकाल के दर्शन कर घर लौट रहे थे, धार-बदनावर हाईवे पर हुआ भीषण सड़क हादसा

दुर्घटना में गुजरात के 6 दोस्तों की दर्दनाक मौत

दैनिक अवन्तिका ▸▸ धार

उज्जैन में भगवान महाकाल के दर्शन कर घर लौट रहे गुजरात के वडोदरा निवासी श्रद्धालुओं की खुशियां रास्ते में ही मातम में बदल गईं। धार जिले के बदनावर थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर हुए भीषण सड़क हादसे में 6 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इतना भीषण था कि मारुति ईको वैन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और शवों को निकालने के लिए वाहन की बॉडी तक काटनी पड़ी।

रॉन्ग साइड से आया ट्रॉला, वैन के उड़े परखच्चे

हादसा बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर ग्राम पंचकवासा के पास दोपहर करीब 1 बजे हुआ। जानकारी के अनुसार वडोदरा निवासी 7 युवक मारुति ईको वैन से उज्जैन में महाकाल दर्शन करने के बाद गुजरात लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से रॉन्ग साइड में लोहे के सामान से लदा तेज रफ्तार ट्रॉला आ गया। वैन चालक कुछ समझ पाता, इससे पहले ही ट्रॉले ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैन बुरी तरह पिचक गई और उसमें सवार लोग अंदर फंस गए।

एक अस्पताल में भर्ती

हादसे में 6 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ, जिसे तत्काल एंबुलेंस की मदद से बदनावर सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है।हादसे की सूचना वडोदरा में मृतकों के परिजनों को दे दी गई है। शवों को बदनावर अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है। परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी। हादसे के बाद ट्रॉला चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को क्रेन की मदद से सड़क से हटवाया और यातायात को सामान्य कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार ट्रॉला चालक की तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि सभी युवक उज्जैन में भगवान महाकाल के दर्शन के बाद वडोदरा लौट रहे थे। धार्मिक यात्रा से लौटते समय हुए इस दर्दनाक हादसे ने परिवारों की खुशियां छीन लीं। एक साथ छह युवकों की मौत की खबर से वडोदरा में उनके परिवारों और परिचितों में शोक की लहर है।

पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का आरोप

मेरी गाड़ी पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके गए

एजेंसी ▸▸ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि उनकी गाड़ी पर पत्थरों से हमला किया गया। पुलिस के सामने भीड़ ने गाड़ी रोक ली। कार पर मिट्टी और कीचड़ लगा दिया। कुछ लोगों ने जूते-पत्थर भी फेंके। अगर खिड़की खुली होती तो सिर चकनाचूर हो जाता, मौत भी हो सकती थी। दरअसल ममता उत्तर 24 परगना जिले में एक टीएमसी कार्यकर्ता की मौत के बाद उसके परिवार से मिलने जा रहीं थीं। रास्ते में बिजपुर के पास स्थानीय भीड़ ने उनका काफिला रोक लिया। प्रदर्शनकारियों ने चोर-चोर के नारे लगाए।

पूरा पश्चिम बंगाल गुंडों के कंट्रोल में

ममता बनर्जी ने कहा, मेरी कार पर हमला एक साजिश के अलावा कुछ नहीं है। मैंने पुलिस को बताया था कि मैं यहां आऊंगी, इसके बावजूद पुलिस ने कोई सुरक्षा इंतजाम नहीं किए। पूरे पश्चिम बंगाल को गुंडे नियंत्रित कर रहे हैं। दरअसल ममता तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता बिरजू केओट की मौत के बाद उनके परिवार से मिलने आईं थीं।

बारामती एयरफील्ड पर ट्रेनर प्लेन रनवे से उतरा

एजेंसी ▸▸ बारामती

महाराष्ट्र के बारामती एयरफील्ड पर ट्रेनिंग एक्सरसाइज के दौरान एक ट्रेनर प्लेन रनवे से फिसल गया। पुणे के एसपी के मुताबिक, प्लेन में कैप्टन चिराग शशिकांत डोइफोडे और कैडेट अभिजीत जूंद्रे सवार थे। दोनों सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। घटना के तुरंत बाद प्लेन के क्रैश होने की खबरें आई थीं। हालांकि, डिप्टी सीएम और बारामती विधायक सुनेत्रा पवार ने क्रैश की खबरों को खारिज किया। उन्होंने बताया कि प्लेन रनवे पर ही था और टर्न लेते समय एक पहिया किनारे पर फंस गया। इसके अलावा कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ है। इसी साल 28 जनवरी को सुनेत्रा पवार के पति और महाराष्ट्र के तत्कालीन डिप्टी सीएम अजित पवार का विमान बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान क्रैश हो गया था। हादसे में अजित पवार समेत 5 लोगों की मौत हुई थी। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे।

जेन-जी आंदोलन के बाद

पार्टियां रणनीति बदल रहीं

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

अगले साल 7 राज्यों- उत्तर प्रदेश, गुजरात, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर और गोवा में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन चुनावों में जेन-जी यानी 18 से 29 साल के मतदाता अहम भूमिका निभा सकते हैं।

इसके पीछे दो बड़ी वजहें हैं। पहली, जुलाई में दिल्ली में हुआ जेन-जी आंदोलन, जिसने युवाओं के राजनीतिक रुझान को लेकर नई बहस छेड़ी। दूसरी, बिहार के बांकीपुर और मध्य प्रदेश के दतिया उपचुनाव के चौंकाने वाले नतीजे, जिनसे युवाओं की चुनावी

भूमिका पर चर्चा तेज हुई है।

राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, चुनावी समीकरण में महिला, पिछड़ा, किसान और दलित जैसे वर्गों के साथ अब जेन-जी भी एक अहम वोटर ग्रुप बनता जा रहा है। इन 7 चुनावी राज्यों में करीब 22% मतदाता 18 से 29 साल की उम्र के हैं। ऐसे में युवा वोट किसी भी पार्टी के चुनावी समीकरण को बदल सकता है।

देश में ई20 लागू किया जा रहा : केजरीवाल

विरोध करने वालों की पोस्ट तक हटाई गई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ई20 को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लोगों को अपनी आवाज उठाने से रोक रही है।

एक्स पर पोस्ट किए गए वीडियो में उन्होंने कहा- जो ई20 के खिलाफ आवाज उठाता है, उसका पेज डाउन करा देते हैं। उसका वीडियो डिलीट करवा देते हैं। उसके अकाउंट पर एफआईआर करा देते हैं। गुंडागर्दी करते हैं। तरह-तरह से उसको परेशान करते हैं। उन्होंने सवाल किया कि इस तरह पीएम मोदी 140 करोड़ लोगों को कैसे दबा पाएंगे?

जेपीएससी-जेएसएससी मामला: छात्रों और सरकार के बीच बैठक खत्म

जेपीएससी परीक्षा रद्द करने पर बनी सहमति

एजेंसी ▸▸ रांची

रांची में छात्रों और सरकार के बीच हुई बैठक में कई अहम बिंदुओं पर सहमति बनने की बात सामने आई है। 14वीं जेपीएससी परीक्षा रद्द करने, बैकलॉग परीक्षाओं की जांच और परीक्षा में पैसों के लेन-देन की ईडी से जांच कराने पर सहमति की जानकारी सामने आई है। हालांकि, बैठक के फैसलों की दोनों पक्षों की ओर से आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है। रांची में छात्रों और सरकार के बीच चल रही बैठक खत्म हो गई है। बैठक में कई अहम मुद्दों पर सहमति बनने की बात सामने आ रही है। हालांकि, बैठक में वास्तव में क्या फैसला हुआ, इसको लेकर सरकार या छात्र पक्ष की ओर से अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

14वीं जेपीएससी परीक्षा रद्द करने पर सरकार तैयार!

बैठक में 14वीं जेपीएससी परीक्षा को रद्द करने पर सरकार के तैयार होने की बात सामने आई है। इसके अलावा बैकलॉग परीक्षाओं की जांच कराने और परीक्षा प्रक्रिया में सुधार (रिफॉर्म) करने पर भी सहमति बनने की जानकारी है।

- **पैसों के लेन-देन की जांच ईडी से कराने पर चर्चा-** पूरे मामले में परीक्षा से जुड़े पैसों के लेन-देन की जांच प्रवर्तन निदेशालय से कराने की बात भी बैठक में सामने आई है। इसके अलावा टीडीपीएल एजेंसी की ओर से अब तक संचालित कराई गई परीक्षाओं की भी जांच किए जाने की जानकारी सामने आ रही है।
- **तीन परीक्षाएं रद्द होने की भी चर्चा-** सूत्रों के अनुसार, टीडीपीएल एजेंसी की ओर से संचालित परीक्षाओं में से तीन परीक्षाओं को रद्द करने की बात भी सामने आ रही है। हालांकि, इस संबंध में भी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।
- **90 दिन में सीआईडी देगी जांच रिपोर्ट-** बैठक में सीआईडी की जांच रिपोर्ट 90 दिनों के भीतर देने की बात कही गई है। इसके साथ ही पूरे मामले की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय जांच कमेटी गठित करने पर भी चर्चा हुई है।

देश विदेश

पीएम मोदी से मिलने पहुंचे कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडलिस्ट

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थोड़ी ही देर में कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मिलेंगे। प्लेयर्स की बस प्रधानमंत्री आवास पहुंच चुकी है। मुक्केबाज लवलीना बोरगेहन और वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने कहा- हम प्रधानमंत्री से मिलने के लिए एक्साइटेड हैं। भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज समेत कुल 39 मेडल जीते। भारत मेडल टैली में चौथे नंबर पर रहा। भारत के 39 पदकों में सबसे बड़ा योगदान बॉक्सिंग का रहा। मुक्केबाजों ने 7 गोल्ड और 3 सिल्वर समेत कुल 10 मेडल जीते। यानी हर चार में से एक मेडल बॉक्सिंग से आया। एथलेटिक्स में 10 मेडल आए, लेकिन इसमें गोल्ड नहीं मिला।

बीजेपी छोड़ चुके शहजाद पूनावाला ने अब मोदी को 2 बार किया धन्यवाद

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के धाकड़ राष्ट्रीय प्रवक्ता रहे शहजाद पूनावाला बीजेपी का दामन छोड़ चुके हैं। लेकिन उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने दो बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद कहा है। बता दें कि पूनावाला ने बीजेपी का साथ जरूर छोड़ दिया है, लेकिन उसके बाद भी आए दिन पीएम मोदी या बीजेपी की प्रशंसा करने वाली उनकी सोशल मीडिया पोस्ट आती रहती है। दरअसल, राजनीतिक विश्लेषक शहजाद पूनावाला मुस्लिम समुदाय के शिया आगा खान समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। इस समुदाय के लोग आध्यात्मिक रूप से आगा खान (इमाम) के अनुयायी होते हैं।

आईआईटी दीक्षांत में वैदिक मंत्रोच्चारण पर घमासान

नई दिल्ली। आईआईटी दिल्ली का 57वां दीक्षांत समारोह अब सियासी बहस का केंद्र बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में वैदिक मंत्रोच्चारण और उसके दौरान छात्रों के खड़े होने को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। मामला अब सिर्फ एक मंत्र तक सीमित नहीं है। बहस आईआईटी जैसे संस्थानों में वैज्ञानिक सोच, धार्मिक परंपराओं और संवैधानिक प्रावधानों के बीच संतुलन को लेकर शुरू हो गई है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने इसी मुद्दे को संविधान के अनुच्छेद 51ए(एच) से जोड़ते हुए सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यह प्रावधान नागरिकों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने की बात करता है।

प्रीति जिंटा ने आमिर खान को इग्नोर नहीं किया

दावे पर भड़कीं, बोलीं- नेगेटिविटी बढ़ाएंगे तो तस्वीरों के लिए रुकने की उम्मीद न करें

मुंबई। प्रीति जिंटा ने फिल्म बटवारा 1947 के प्रमोशन के दौरान आमिर खान को नजरअंदाज करने के दावों को खारिज किया। प्रीति ने पोस्ट को क्लिकबेट कंटेंट बताया और कहा कि उन्होंने उस समय आमिर को देखा ही नहीं था। दरअसल, एक पैपराजी अकाउंट ने फिल्म के प्रमोशनल इवेंट का वीडियो पोस्ट किया था। वीडियो में प्रीति अपनी वैनिटी वैन से बाहर निकलकर फोटोग्राफर्स से पूछती दिखीं, एक मिनट, गाइज, कहां जाना है, फोटोग्राफर्स के दिशा बताने के बाद प्रीति दूसरी तरफ चली गईं। आमिर अपनी वैनिटी वैन के पास खड़े थे, लेकिन प्रीति ने उनकी ओर ध्यान नहीं दिया। इसके बाद एक पैपराजी पेज ने वीडियो के साथ कैप्शन लिखा, ओह नो, प्रीति जिंटा ने आमिर खान को नजरअंदाज किया, वीडियो के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने दोनों एक्टर्स के बीच किसी विवाद या असहज रिश्ते को लेकर अटकलें लगानी शुरू कर दीं। प्रीति ने बाद में इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए वीडियो को पेश करने के तरीके की आलोचना की। उन्होंने लिखा, इस तरह का क्लिकबेट कंटेंट ठीक नहीं है।

नैनो न्यूज

- **नई दिल्ली :** फुकेट-दिल्ली फ्लाइट का कैप्टन डोप टेस्ट में फेल, एयर टर्बुलेंस के बाद 17 लोग हो गए थे अस्पताल में भर्ती।
- **नई दिल्ली :**टॉप-10 में 4 कंपनियों का मार्केट-कैप 1.43 लाख करोड़ बढ़ा, एसबीआई टॉप गेनर, वैल्यू 63,922 करोड़ बढ़ी, एलआईसी को सबसे ज्यादा नुकसान।
- **मुंबईः** अगस्त के पहले-हफ्ते में विदेशी-निवेशकों ने 12,921 करोड़ निवेश किए, जुलाई में भारतीय बाजार में 20,200 करोड़ आए थे, वजह- क्रूड सस्ता हुआ।
- **नई दिल्ली :** सौरभ भारद्वाज का बड़ा आरोप, कहा- गरीबों के चावल में 70 करोड़ की साप्ताहिक कमीशनखोरी।
- **सोपोरः** जमात-ए-इस्लामी पर शिकंजा, यूएपीए मामले में 26 ठिकानों पर पुलिस का छापा, दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त।
- **नई दिल्लीः** नेपाल पीएम बालेन आज पहले भारतीय राजदूत से मिलेंगे, बाद में चीन के दूत से बात होगी, अगले दिन अमेरिकी अधिकारी से वन-टू-वन बैठक।

महाकाल श्रृंगार

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का शनिवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

खुसूर-फुसूर

अधूरा सत्य पेश कर दी सफाई

सालों पहले स्कूलों में नैतिक शिक्षा की पाठशाला का चलन था। अक्सर यह पाठशाला शनिवार को लगाई जाती थी और बच्चों को नैतिकता की शिक्षा इस दौरान खेल-खेल में दी जाती थी। शिक्षक अक्सर इस नैतिकता की पाठशाला में बच्चों को सिखाते थे कि एक अंगुली दुसरे की तरफ उठाने वाले पर उसकी खुद की ही 3 अंगुलियां उस पर इशारा करती है। इससे यह तय होता है कि क्रिया और उसके तहत प्रतिक्रिया होती है। हाल ही में संभाग के चीता वाले जिले में जंगल वालों ने चौथास्तंभ पर सवाल खड़े करते हुए अधूरे सत्य के साथ अपनी सफाई पेश की है। खैराती तंत्र न्यूज सेवा से जारी यह अधूरा सत्य घुटने की पेट की और झुकने की बात चीख-चीख कर कह रहा है। खास तो यह रहा कि अधूरा सत्य बयां करने के दौरान भी एक भी साक्ष्य को जगह नहीं दी गई। न तो फोटो और न ही घटनाक्रम और स्थल के फोटो ही जारी किए गए और सफाई के साथ सवालिया निशान लगाने का काम कर दिया गया। जंगल वाले बड़े साहब ने चीता फेंस क्षेत्र में नाला सफाई कार्य के संबंध में खैराती तंत्र न्यूज सेवा में खंडन करते हुए बताया कि कुछ समाचार माध्यमों एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चीता फेंस क्षेत्र की सुरक्षा के संबंध में न्यूज और सोशल मीडिया में पोस्ट के माध्यम से नाला सफाई कार्य के संबंध में भ्रामक एवं तथ्यहीन समाचार प्रसारित किए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट करते हुए बताया कि चीता फेंस क्षेत्र में नालों के ऊपर पानी की निकासी हेतु लोहे की जालीदार फ्लैप लगाई गई है जिससे तीव्र बारिश से नालों में पानी के साथ कचरा जैसे सुखी लकड़ी, घास, काँटे आदि आ जाते है और निकासी नहीं होने पर फेंस पर जमा होते है जिससे फेंस को खतरा रहता है उक्त सफाई कार्य हेतु निरंतर रूप से वर्षा ऋतु में नालों की नियमित रूप से साफ सफाई कार्य किया जाता है। कार्य विभाग की स्वीकृत कार्ययोजना के अंतर्गत वन्यजीव प्रबंधन एवं वर्षा जल निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से किया जा रहा है। कार्य के दौरान पर्यावरणीय एवं तकनीकी मानकों का पूर्णतः पालन किया जा रहा है तथा इससे वन्यजीवों के संरक्षण एवं प्रबंधन को किसी प्रकार की हानि नहीं पहुँच रही है। इसमें उन्होंने आमजन एवं मीडिया प्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि अपुष्ट एवं भ्रामक समाचारों पर विश्वास न करें तथा किसी भी जानकारी के लिए अधिकृत अधिकारी द्वारा जारी सूचना को ही प्रमाणिक मानें। अव्वल तो जिसे वे हासिए पर ले रहे हैं उन्हीं से अनुरोध भी कर रहे हैं और दूसरे स्तर पर इस पूरे मामले को अधूरे सत्य के साथ पेश करने की स्थिति यह है कि पूरी कहानी को खुलकर नहीं रखा जा गया है। उसमें काफी कुछ हजम कर लिया गया। इस अधूरे सत्य को प्रमाणित करने के लिए न तो घटनाक्रम और घटनास्थल के फोटो वीडियो ही समर्थन में जारी किए गए। इससे पूरा मामला ही सिरे से शंका से परे नहीं कहा जा सकता है। खुसूर-फुसूर है कि वन्यजीवों के प्रति आपकी सेवाएं उत्कृष्टता के स्तर पर देखी जाती हैं। अत्याधुनिक बागड़ और वन्य जीवों की सुरक्षा को लेकर खबरनवीस भी उतने ही संजीदाऔर चिंतित हैं। संवाद, संपर्क एवं समन्वय के अभाव या थोड़ी कमी के कारण संभव है थोड़ी उंच-नीच की स्थिति संभव है लेकिन कदापि उसे सिरे से एक तरफा बताकर पल्ला झाड़ना ही अंगुली उठाने वाला काम है। इसमें तीन अंगुलियों के ईशारे को भी समझें और कमियों को दूर करते हुए अगर पेश ही करना है तो पूर्ण सत्य को पेश करें। समाज को भ्रम में न रखें। आपका काम जिम्मेदारी वाला है आपको मानव और जंगली जानवरों के बीच समन्वय की स्थिति प्राकृतिक संतुलन के लिए बनाना है। यहां तो चौथा स्तंभ और जंगल विभाग है अगर उसी में समन्वय,संपर्क एवं संवाद के अभाव से ऐसे हालात बन रहे हैं तो सवालिया निशान उठना तय है। ऐसे में अधुरा सत्य नुकसान पहुंचा सकता है।

न्यूज कॉलम

मोनालिसा की संस्थापिका श्रीमती छाबड़ा को वर्ल्ड रिकॉर्ड सम्मान

उज्जैन। वरिष्ठ सौंदर्य विशेषज्ञ एवं मोनालिसा ब्यूटी सैलून एंड एकेडमी की संस्थापिका मोनीषा छाबड़ा को ट्रांसओशेना वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा लांगेस्ट रनिंग ब्यूटी सैलून एंड अकादमी के वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें वर्ष 1980 से लगातार संचालित हो रहे उनके प्रतिष्ठित संस्थान की उल्लेखनीय एवं दीर्घकालीन सेवाओं के लिए प्रदान किया गया है। यह सम्मान उन्हें प्रसिद्ध टीवी एक्ट्रेस दिया और बाती हम फेम दीपिका सिंह द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सतविंदर कौर सलूजा एवं समाजसेवी सुनीता कलावड़िया उपस्थित थी।

नैनो न्यूज

- बैरवा महासभा के संस्थापक झुतालाल की पुण्यतिथि पर यूनिवर्सिटी कैंपस में रोपे पौधे
- 12 अगस्त को नारायणा धाम से निकलेगी 16 किमी लंबी सम्पूर्ण स्वर्णगिरी पर्वत परिक्रमा यात्रा
- अस्पताल की बदहाली पर भड़की युवा कांग्रेस, स्वास्थ्य अधिकारी को बर्खास्त करने की मांग
- भारत भारती का प्रांतीय प्रशिक्षण शिविर आज, राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय पत्राले करेंगे मार्गदर्शन
- 600 विद्यार्थियों ने किया 21 लाख बार 'ओम नमः शिवाय' जाप
- अखिल भारतीय वैष्णव बैरागी परिषद् महिला प्रकोष्ठ ने किया पौधारोपण
- मौनतीर्थ पीठ में वैदिक चर्चा, विद्यार्थियों को दिया चरित्रवान बनने का संदेश
- जन जागरण समिति ने बैठक कर तय की रूपरेखा, शहीद पार्क से होगी शुरूआत

सवारी मार्ग की जंग जीतने के बाद निगम अमला उत्साह से लबरेज

शेष चौड़ीकरण मार्गों के लिए निगम अमला अलर्ट मोड पर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सवारी मार्ग के चौड़ीकरण कार्यों को समयावधि में पूर्ण करने की जंग को जीतने के बाद से निगम का अमला उत्साह से लबरेज हैं। इसके तहत शेष चौड़ीकरण कार्यों को भी समयावधि में पूर्ण करने के लिए निगम अमला अलर्ट मोड पर डाल दिया गया है। अब शहर में सिंहस्थ के तहत हो रहे चौड़ीकरण कार्यों को गति के साथ पूर्ण किया जाना संभावित है। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने इस अलर्ट मोड के साथ ही चौड़ीकरण एवं सौंदर्यकरण के कार्यों की स्थितियों को जांचा है।

सिंहस्थ महापर्व-2028 की तैयारियों को गति देने के उद्देश्य से नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने शनिवार को सिंहस्थ मेला कार्यालय में सिंहस्थ से संबंधित प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण एवं निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की है। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिंहस्थ के अंतर्गत प्रस्तावित आंतरिक मार्गों के चौड़ीकरण एवं अन्य निर्माण कार्यों के लिए वषार्काल समाप्त होते ही संबंधित फील्ड अधिकारी नोटिस, मार्किंग, ड्राइंग-डिजाइन सहित आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करते हुए जोन स्तर पर अलर्ट मोड में रहें, ताकि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जा सकें।

नगर निगम आयुक्त ने चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों की स्थितियों को जांचा

चौड़ीकरण के साथ अब महत्वपूर्ण परियोजनाएं

आयुक्त ने संबंधित इंजीनियरों एवं ठेकेदारों से कहा कि राज्य शासन द्वारा उपलब्ध कराई गई राशि से उज्जैन में सिंहस्थ महापर्व-2028 की तैयारियां तेजी से संचालित की जा रही हैं। सिंहस्थ के अंतर्गत कई चौड़ीकरण कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं, जबकि अन्य निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। इसके साथ ही महत्वपूर्ण परियोजनाएं शीघ्र प्रारंभ की जानी हैं। सभी निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारियों एवं संबंधित ठेकेदारों को निर्देशित किया कि किसी भी कार्य को प्रारंभ करने से पूर्व ड्राइंग-डिजाइन को पूर्ण रूप से अंतिम रूप दिया जाए।

सभी कार्यों को पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया

सड़क निर्माण से संबंधित सेंट्रल लाइन मार्किंग, सीवर, वाटर सप्लाई एवं विद्युत पोल आदि के संबंध में पूर्व से ही समुचित प्लानिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि निर्माण के दौरान किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। चौड़ीकरण से प्रभावित भवन स्वामियों को नोटिस जारी करने से पूर्व स्थानीय रहवासियों एवं जनप्रतिनिधियों को आवश्यक रूप से अवगत कराए। सम्बन्धित अधिकारी जोन स्तर पर नोटिस तैयार कर वरिष्ठ अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए नोटिस चस्पा करने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। सिंहस्थ-2028 परियोजना के शेष सभी कार्यों को पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी एवं ठेकेदार कार्यों की पूर्व तैयारी पूरी रखते हुए निर्धारित समय-सीमा के अनुसार कार्यों को गति प्रदान करे।

बैठक में अपर आयुक्त संतोष टैगोर, अधीक्षण यंत्री प्रमोद मालवीय, कार्यपालन यंत्री गण, भवन अधिकारीगण ,सहायक यंत्रीगण सहित संबंधित उपयंत्री, ठेकेदार एवं कंसल्टेंट उपस्थित रहे।

सीवरेज लाइन कनेक्शन का कार्य गुणवत्तापूर्वक करें

अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में सीवरेज लाइन कनेक्शन का कार्य किया जा रहा है। निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने वार्ड क्रमांक 48 के अंतर्गत अभिषेक नगर, कीर्ति परिसर एवं वृंदावनधाम कॉलोनी का निरीक्षण कर सीवरेज कनेक्शन कार्यों की प्रगति का जायजा लिया गया।अभिषेक नगर में किए जा रहे घरेलू सीवरेज कनेक्शनों का निरीक्षण किया शेष 6 मीटर कनेक्टिव लाइन के लिए संबंधित एजेंसी को कनेक्टिव लाइन का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए तथा कार्य की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने को कहा। उन्होंने कीर्ति परिसर में घरों के सीवरेज कनेक्शनों का निरीक्षण कर सीवरेज लाइन को चैंबरों से जोड़ने का कार्य गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करने के निर्देश दिए। संबंधित एजेंसी के प्रतिनिधि एवं कंसल्टेड को निर्देश दिए कि कार्य के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि घरों के सामने जलभराव की स्थिति निर्मित न हो तथा कनेक्शन कार्य पूर्ण होने के बाद सड़क एवं आसपास के क्षेत्र को व्यवस्थित किया जाए। वृंदावनधाम कॉलोनी का निरीक्षण कर सीवरेज लाइन कनेक्शन कार्य की जानकारी ली गई तथा कार्यों को निर्धारित समयावधि में शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसी को दिए गए। इस दौरान निर्देश दिए कि सीवरेज कनेक्शन कार्य नागरिकों की सुविधा से सीधे जुड़ा हुआ है, सभी कार्य निर्धारित मापदंडों के अनुरूप गुणवत्तापूर्वक एवं समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। कार्य के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका भी विशेष ध्यान रखा जाए।

उत्पात मचा रहे दो बंदरों के पिंजरे में आने के बाद पकड़ में आया शैतान बंदर

गोंदिया गांव में बंदर ने चार को घायल किया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

पिछले दो दिनों से गोंदिया गांव को लंका समझकर उसमें उत्पात मचा रहे बंदर को वन विभाग ने पिंजरे में कैद कर लिया है। आतंक का पर्याय बने इस बंदर ने दो दिनों में एक महिला सहित चार ग्रामीणों को अपना शिकार बना कर घायल किया था। इससे ग्रामीण खौफजदा थे और घरों से निश्चिंत होकर निकलने में घबरा रहे थे। शनिवार को बंदर को वन विभाग ने पिंजरे में कैद कर काबू किया है।

प्रभारी रेंजर वन्य जीव मदन मौरे के अनुसार काले मूंह के बंदरों के झूंड क्षेत्र में सक्रिय हैं। इन्हीं में एक दल गोंदिया गांव के आसपास ही रहता है। इनमें से एक बंदर पिछले दो दिनों से गांव में ग्रामीणों में खौफ का कारण बना हुआ था। आकस्मिक रूप से आकर ग्रामीणों को घायल करने की उसकी स्थिति के कारण वनमंडलाधिकारी अनुराग

तिवारी को इसकी सूचना मिली थी। उनके निर्देश पर वन्यजीव का दल शनिवार को गांव में बंदर को पकडने के लिए पहुंचा था। इसके लिए पूर्व से संसाधन युक्त वाहन में जाल और पिंजरा ले जाया गया था। दल ने करीब 3 घंटे की मशक्कत से ग्रामीणों के पहचान के आधार पर शैतान बंदर को काबू करने के लिए पिंजरे में बाटी एवं खाने की सामग्री के साथ उसके पसंदीदा स्थान के नजदीक लगाया था। मशक्कत के बाद बंदर पिंजरे में आया है। उसे दो-तीन दिन पिंजरे में रखने के बाद अन्य क्षेत्र में छोड़ा जाएगा।

एक के स्थान पर दो अन्य भी आए

मौरे के अनुसार शैतान बंदर को पकड़ने के लिए दल ने जाल एवं पिंजरे का सहारा लिया था। इस दौरान एक बार जाल में दूसरा बंदर फंस गया जिसकी पहचान करवाने पर ग्रामीणों के इनकार करने पर उसे वापस छोड़ दिया गया। इसी दौरान एक अन्य बंदर पिंजरे में जा पहुंचा था उसे भी पहचान के उपरांत क्षेत्र में ही भगा दिया गया। अंत में शैतान बंदर झूंड से अलग होकर पिंजरे में बाटी एवं खाद्य सामग्री के लिए आने पर पकड़ा गया। ग्रामीणों की पहचान के उपरांत उसे पकड़ कर उज्जैन लाया गया है।

महाकाल मंदिर में जूते-चप्पलों की अव्यवस्था से श्रद्धालु परेशान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के जूते-चप्पलों की व्यवस्था को लेकर नाराजगी सामने आ रही है। श्रद्धालुओं का कहना है कि जूते-चप्पलों को व्यवस्थित तरीके से रखने के बजाय कई बार उन्हें इधर-उधर फेंक दिया जाता है। इसके चलते दर्शन के बाद श्रद्धालुओं को अपना सामान ढूंढने में परेशानी होती है।

श्रद्धालुओं के मुताबिक कई बार जूते-चप्पल वापस नहीं मिलते या खराब स्थिति में मिलते हैं। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान के साथ अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ता है। खासकर दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह स्थिति और अधिक असुविधाजनक हो जाती है।

श्रद्धालुओं ने मंदिर प्रशासन से मांग की है कि जूते-चप्पल रखने और वापस करने की व्यवस्था को सुरक्षित एवं व्यवस्थित किया जाए। श्रद्धालुओं का कहना है कि महाकाल मंदिर देश-विदेश से आने वाले लाखों लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में यहां की छोटी-छोटी व्यवस्थाएं भी मंदिर की छवि और श्रद्धालुओं के अनुभव को प्रभावित करती हैं। संबंधित अधिकारियों से इस मामले में गंभीरता से ध्यान देकर व्यवस्था में सुधार की अपेक्षा की जा रही है।

जरूरतमंद बस्ती के बच्चों को शिक्षा की राह दिखा रहा पुनीत अभियान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

जरूरतमंद बस्तियों में रहने वाले छोटे बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से उज्जैन में एक सराहनीय पहल जारी है। बच्चों को पार्ट टाइम पढ़ाकर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इस पुनीत कार्य से जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाई का अवसर मिलने के साथ उनके भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में भी प्रयास हो रहा है।

इस अभियान के तहत जरूरतमंद बस्ती के छोटे बच्चों को पढ़ाने के लिए समाजसेवी शिक्षकों की आवश्यकता है। शिक्षा के क्षेत्र में अपना समय देने के इच्छुक शिक्षक और समाजसेवी इस पहल से जुड़कर बच्चों को पढ़ाने में सहयोग कर सकते हैं। इसके साथ ही उच्च कक्षाओं में अध्ययनरत जरूरतमंद छात्र भी बच्चों को पढ़ाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस पहल से जुड़े लोगों का कहना है कि समाज के सक्षम लोग यदि अपने समय में से कुछ घंटे बच्चों की पढ़ाई के लिए निकालें तो जरूरतमंद बच्चों को काफी मदद मिल सकती है। कई बच्चों को आर्थिक परिस्थितियों के कारण पढ़ाई के लिए पर्याप्त मार्गदर्शन नहीं मिल पाता।

चेंबर निर्माण कार्य बन रहा लोगों की परेशानी का कारण

प्रेमछाया से भटगली मार्ग पर गिट्टी और गड्ढे में फंसा लोडिंग वाहन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

प्रेमछाया क्षेत्र से भटगली की ओर जाने वाले मार्ग पर चल रहे चेंबर निर्माण कार्य के चलते वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। निर्माण स्थल पर सड़क पर फैली गिट्टी और बने गड्ढों के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा है। शुक्रवार सुबह एक लोडिंग वाहन गिट्टी और गड्ढे के बीच फंस गया, जिसके चलते कुछ समय के लिए मार्ग पर आवाजाही भी बाधित हुई।

स्थानीय लोगों और ओमप्रकाश रामी के अनुसार चेंबर निर्माण के दौरान सड़क की खुदाई तो की गई है, लेकिन निर्माण सामग्री

और गिट्टी को व्यवस्थित तरीके से नहीं हटाए जाने के कारण सड़क का हिस्सा खस्ताहाल हो गया है। बारिश के मौसम में गड्ढों में पानी और कीचड़ जमा होने से स्थिति और अधिक परेशानी वाली हो सकती है।

इस मार्ग से प्रतिदिन दोपहिया वाहनों के साथ ही लोडिंग वाहन और अन्य छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। ऐसे में निर्माण स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने से दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है। वाहन चालकों का कहना है कि चेंबर निर्माण आवश्यक है, लेकिन कार्य के दौरान सड़क को पूरी तरह बाधित करने के बजाय आवागमन के लिए सुरक्षित रास्ता उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

स्थानीय रहवासियों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराया जाए तथा सड़क पर पड़ी गिट्टी और मलबे को हटाकर गड्ढों को समतल किया जाए, ताकि लोगों को आवागमन में परेशानी न हो और किसी बड़े हादसे की स्थिति निर्मित न हो।

सिंहस्थ की तैयारी या शहर की परीक्षा : 12 साल का समय मिलने के बावजूद ऐन वक्त पर तेज हुए निर्माण कार्य

शहर में यातायात व्यवस्था चरमराई, गुणवत्ता और योजना पर उठ रहे सवाल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सिंहस्थ महापर्व उज्जैन की धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान का सबसे बड़ा आयोजन है। यह आयोजन 12 वर्ष के अंतराल में आता है और इसकी तैयारियों के लिए शासन-प्रशासन को पर्याप्त समय मिलता है। इसके बावजूद सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के नाम पर शहर में जिस तरह एक साथ निर्माण और विकास कार्यों की रफ्तार बढ़ी है, उससे अब नागरिकों के बीच सवाल उठने लगे हैं कि इतनी बड़ी तैयारी के लिए योजनाएं पहले से पूरी तरह तैयार क्यों नहीं की गईं?

सिंहस्थ की तैयारियों के नाम पर शहर के अलग-अलग हिस्सों में सड़क, सीवर, नाला, चेंबर, पाइपलाइन, विद्युत और अन्य निर्माण कार्य चल रहे हैं। कई स्थानों पर खुदाई, अस्थायी मार्ग, निर्माण सामग्री और मशीनरी के कारण यातायात प्रभावित हो रहा है। आम नागरिकों को रोजाना जाम, धूल, गड्ढों और रास्तों में बदलाव का सामना करना पड़ रहा है।

12 साल में बननी चाहिए थी पूरी कार्ययोजना- सिंहस्थ अचानक घोषित होने वाला आयोजन नहीं है। इसकी तारीख और महत्व वर्षों से तय है। ऐसे में शहर के स्थायी विकास, यातायात, पेयजल, सीवरेज, पार्किंग, सड़कों, घाटों और श्रद्धालुओं की आवाजाही से जुड़ी योजनाओं को कई वर्ष पहले चरणबद्ध तरीके से तैयार किया जा सकता था।

नागरिकों का सवाल है कि यदि कोई सड़क या सीवरेज व्यवस्था सिंहस्थ के लिए आवश्यक थी तो उसका काम आयोजन के अंतिम वर्षों तक क्यों टाला गया? विकास कार्यों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाता तो शहर को एक साथ इतनी बड़ी अव्यवस्था का सामना नहीं करना पड़ता।

यातायात सबसे बड़ी परेशानी- निर्माण कार्यों का सीधा असर शहर की यातायात व्यवस्था पर दिखाई दे रहा है। कई प्रमुख मार्गों पर खुदाई और निर्माण के कारण सड़क की चौड़ाई कम हो गई है। कहीं डायवर्जन है तो कहीं निर्माण सामग्री सड़क किनारे पड़ी होने से वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। आम दिनों में भी उज्जैन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। ऐसे में यदि शहर की मौजूदा यातायात व्यवस्था निर्माण कार्यों के कारण प्रभावित होती है तो आने वाले समय में यह चुनौती और बड़ी हो सकती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सिंहस्थ के दौरान लाखों-करोड़ों श्रद्धालुओं की संभावित आवाजाही को देखते हुए अभी से यातायात की स्थायी योजना पर काम होना चाहिए। केवल सड़क चौड़ी करने या अस्थायी डायवर्जन बनाने से समस्या का समाधान नहीं होगा।

लोगों की जान पर बन रही स्थिति

- निर्माण स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी नागरिक चिंता जता रहे हैं। खुले गड्ढे, अधूरे मार्ग, निर्माण सामग्री और कई स्थानों पर रात के समय पर्याप्त संकेतक नहीं होने की स्थिति दुर्घटना का कारण बन सकती है।
- सवाल यह है कि जब करोड़ों रुपये के विकास कार्य किए जा रहे हैं तो निर्माण के साथ नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता क्यों नहीं दी जा रही? निर्माण स्थल पर बैरिकेडिंग, रोशनी, चेतावनी संकेत और पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित रास्ते जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जानी चाहिए।

गुणवत्ता पर भी सवाल

शहर में तेजी से चल रहे निर्माण कार्यों के बीच गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि सिंहस्थ की समय सीमा पूरी करने के दबाव में कहीं ऐसा न हो कि काम की गति गुणवत्ता से आगे निकल जाए। सड़क, नाला, सीवर, चेंबर या अन्य निर्माण यदि जल्दबाजी में किए जाते हैं और कुछ वर्षों में ही खराब होने लगते हैं तो इसका खामियाजा फिर शहर के नागरिकों को भुगतना पड़ेगा। इसलिए मांग उठ रही है कि प्रत्येक बड़े निर्माण कार्य की स्वतंत्र गुणवत्ता जांच हो। ठेकेदारों के साथ-साथ संबंधित विभाग के अधिकारियों की जवाबदेही भी तय हो और निर्माण की गुणवत्ता का रिकॉर्ड सार्वजनिक किया जाए।

विकास कार्यों का श्रेय लेने की होड़?

सिंहस्थ की तैयारियों के बीच राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर विकास कार्यों का श्रेय लेने की तस्वीर भी दिखाई देने लगी है। नागरिकों का कहना है कि विकास कार्य किसी व्यक्ति, दल या विभाग का नहीं बल्कि शहर का होना चाहिए। श्रेय लेने के बजाय प्राथमिकता इस बात को दी जानी चाहिए कि काम समय पर पूरा हो, गुणवत्ता बेहतर हो और उसका लाभ सिंहस्थ के बाद भी उज्जैन के नागरिकों को लंबे समय तक मिले।

अचानक जागने के बजाय पहले से बनती योजना

सिंहस्थ 12 वर्ष बाद आता है। यह कोई अचानक सामने आने वाली आपदा या अनिश्चित आयोजन नहीं है। इसलिए नागरिकों का सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि आयोजन की जानकारी वर्षों पहले से थी तो व्यापक मास्टर प्लान और चरणबद्ध कार्ययोजना पहले क्यों नहीं बनाई गई? यदि सड़क, यातायात, पार्किंग, सीवर, पेयजल, बिजली, सफाई और श्रद्धालुओं की आवाजाही से जुड़ी योजनाओं पर वर्षों पहले काम शुरू किया जाता तो आज शहर को एक साथ इतनी बड़ी संख्या में निर्माण कार्यों का सामना नहीं करना पड़ता।

अभी भी समय है, दिशा बदलने की जरूरत

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के लिए अभी समय है। जरूरत इस बात की है कि सभी निर्माण कार्यों की प्राथमिकता तय की जाए, अनावश्यक रूप से एक साथ शुरू किए गए कार्यों को चरणबद्ध किया जाए और यातायात तथा नागरिक सुरक्षा को सबसे ऊपर रखा जाए। साथ ही हर बड़े प्रोजेक्ट की समयसीमा और गुणवत्ता की नियमित समीक्षा हो। जो काम सिंहस्थ के लिए जरूरी हैं, उन्हें प्राथमिकता से पूरा किया जाए और जो कार्य लंबे समय से शहर की जरूरत हैं, उन्हें भी सिंहस्थ की व्यापक योजना से जोड़ा जाए।

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

दैनिक अवन्तिका

इंदौर | उज्जैन | सोमवार, 10 अगस्त, 2026 | www.awantika.com

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस पर जाना बुनाई का महत्व

इंदौर। राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को श्रीश्री रविशंकर विद्यापीठ, इंदौर के विद्यार्थियों ने जिला हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र का शैक्षणिक भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को हाथकरघा बुनाई की संपूर्ण प्रक्रिया, करघे के संचालन तथा वस्त्र निर्माण की विभिन्न तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी दी गई। इस अवसर पर सहायक संचालक श्री आर. एस. भयड़िया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हाथकरघा केवल वस्त्र निर्माण का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध संस्कृति, परंपरा और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों को पारंपरिक वस्त्र उद्योग के महत्व तथा इस क्षेत्र में उपलब्ध स्वरोजगार की संभावनाओं से भी अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान सेट प्रभारी श्री महेश कोरी एवं कनिष्ठ ग्रामोद्योग अधिकारी श्रीमती दीक्षा पुराणिक ने विद्यार्थियों को बुनाई से संबंधित तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी।

विभिन्न ब्रांड के घी एवं जलजीरा मसाले के नमूने लिए

इंदौर। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा, मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु लगातार निरीक्षण एवं नमूना कार्रवाई की जा रही है। प्रदेशभर में माह जुलाई 2026 से दूध एवं दूध से निर्मित खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच हेतु विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत अन्य राज्यों से मध्यप्रदेश में आने वाले दूध एवं दुग्ध उत्पादों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। अभियान के दौरान बाहरी राज्यों से आने वाले कुछ घी ब्रांडों के नमूने अमानक पाए जाने पर आयुक्त, खाद्य सुरक्षा, मध्यप्रदेश द्वारा संबंधित ब्रांडों के विरुद्ध विशेष नमूना कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में रेवती रेंज पर किया पौधा रोपण

इंदौर। केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अपने इंदौर प्रवास के दौरान रेवती रेंज पर वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के यह निर्देश है कि यदि 'एक पेड़ माँ के नाम' का कार्यक्रम हो तो हर मंत्री को उसमे भाग लेना चाहिये। उन्होंने कहा कि पेड़ प्रकृति के श्रंगार है और इनका गुणगान ऋषि-मुनियों ने किया है। इस कार्यक्रम में शामिल होने का मुझे अवसर प्राप्त हुआ इसके लिए मैं मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का आभार व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान चलाया है उसमें देश के, हर प्रदेश के नागरिक ने भागीदारी की है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार होने से दूसरे शहरों और प्रदेशों के नागरिकों को भी प्रेरणा मिलती है।

प्रबंध निदेशक सिंह ने किया बिजली सेवाओं का निरीक्षण

इंदौर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत मप्र पश्चिम क्षेत्र बिजली वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने इंदौर एवं देवास जिले का भ्रमण कर बिजली सेवाओं संबंध में जानकारी ली। श्री सिंह ने इंदौर ग्रामीण वृत्त अंतर्गत दूधिया बिजली वितरण केंद्र एवं 33/11 केवी सब स्टेशन का निरीक्षण किया, उन्होंने बिजली आपूर्ति की अवधि, अटल गृह ज्योति योजना, नए कनेक्शन, लोक सेवा गारंटी से जुड़े आवेदन, शिकायत निवारण इत्यादि विषयों पर विस्तार से जानकारी ली। श्री सिंह ने शासन के नियमानुसार समय पर कार्य के लिए निर्देशित किया। श्री सिंह ने देवास जिले के डबलचौकी पहुंचकर बिजली सेवाओं को लेकर जानकारी ली। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य महाप्रबंधक संजय मालवीय, केतन रायपुरिया, अमरेश सेठ इत्यादि मौजूद रहे। मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान ने विभिन्न कार्यालय का निरीक्षण कर समय पर कार्य के लिए चेताया। श्री चौहान ने सीएम हेल्प लाइन के प्रकरणों का समय पर समाधान करने, जनसुनवाई प्रकरणों से सतत समीक्षा एवं नियमानुसार कार्य, अटल गृह ज्योति योजना, अटल किसान ज्योति योजना, उपभोक्ता शिकायत निवारण के प्रति गंभीरता बरतने के निर्देश दिए हैं।

नैनो न्यूज

- **हर घर तिरंगा अभियान शुरू –** मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भोपाल में अभियान का शुभारंभ किया और तिरंगा यात्रा निकाली।
- **लाड़ली बहना में 7 लाख नाम हटे –** 39वीं किस्त से पहले करीब 7 लाख महिलाएं योजना से बाहर हुईं; तकनीकी और पात्रता कारण बताए गए।
- **उज्जैन में शिप्रा आरती विवाद –** आरती के आयोजन को लेकर पुरोहित समिति और प्रशासन आमने-सामने हैं; विरोध में जल सत्याग्रह किया गया।
- **महाकाल भस्म आरती में उमड़ी भीड़ –** एकादशी पर बाबा महाकाल का विशेष शृंगार हुआ और बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।
- **मंडला में आठ किमी जाम –** एनएच-30 पर ट्रॉला खड़ा कर चालकों के विरोध के कारण करीब आठ किलोमीटर लंबा जाम लगा, एंबुलेंस भी फंसी।
- **एमपी में भारी बारिश का अलर्ट –** मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में तेज बारिश, आंधी और वज्रपात की संभावना जताई है।
- **एमपीपीएससी मुख्य परीक्षा जारी –** राज्य सेवा परीक्षा 2025 की मुख्य परीक्षा 8 अगस्त से शुरू हुई है; अभ्यर्थियों के लिए एडमिट कार्ड जारी किए गए।

18 हजार करोड़ के निवेश से बदल रहा मध्य भारत का सबसे बड़ा धार्मिक पर्यटन केंद्र

उज्जैन में आस्था के साथ निवेश, उद्योग और रोजगार का संगम

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

अयोध्या ने राम मंदिर के जरिए धार्मिक पर्यटन का नया अध्याय लिखा, काशी ने कारिडोर के जरिए विश्वस्तरीय पहचान बनाई और अब उज्जैन देश की स्पिरिचुअल इकोनॉमी का नया मॉडल बनने की ओर बढ़ रहा है। यहां सिंहस्थ-2028 सिर्फ 30 दिन का मेला नहीं, बल्कि अगले कई दशकों की अर्थव्यवस्था की बुनियाद बन रहा है। केंद्र और मध्यप्रदेश सरकार की 18 हजार करोड़ की विकास योजनाएं धार्मिक आस्था को सड़क, स्वास्थ्य, उद्योग, पर्यटन, जल प्रबंधन और रोजगार से जोड़ रही हैं। लक्ष्य केवल 40 करोड़ श्रद्धालुओं को सुविधा देना नहीं, बल्कि ऐसा शहर बनाना है, जिसकी अर्थव्यवस्था सिंहस्थ के बाद भी लगातार बढ़ती रहे।

महाकाल महालोक बनने के बाद उज्जैन में श्रद्धालुओं की संख्या में कई गुना वृद्धि हुई। इसके साथ होटल, रेस्टोरेंट, टैक्सी, ई-रिक्शा, फूल, प्रसाद, हस्तशिल्प, ट्रैवल एजेंसियां और स्थानीय व्यापार का दायरा भी तेजी से बढ़ा। अब सिंहस्थ-2028 की तैयारियां इस बदलाव को स्थायी आर्थिक ढांचे में बदलने की कोशिश हैं।

यही वजह है कि इस बार निवेश केवल मंदिर परिसर तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे शहर और उसके आसपास का इंफ्रास्ट्रक्चर एक साथ विकसित किया जा रहा है। सरकार ने सिंहस्थ के लिए 129 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें 778 करोड़ रुपये से 29 किलोमीटर नए घाट, 853 करोड़ रुपये से 22 नए पुल, 445 करोड़ रुपये की सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी जल प्रदाय योजना, 438 करोड़ रुपये का सीवरेज नेटवर्क विस्तार, 284 करोड़ रुपये का यूनिटी माल, 645 करोड़ रुपये का इंटीग्रेटेड टेंपल इकोसिस्टम, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, मेडिकल डिवाइस पार्क, विक्रम उद्योगपुरी एवं मेडिकल डिवाइस पार्क में औद्योगिक निवेश, बहुस्तरीय पार्किंग, नई फोरलेन सड़कें, रेलवे ओवरब्रिज, स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम और डिजिटल श्रद्धालु सुविधाएं शामिल हैं।

यहां आस्था ही अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा इंजन

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह मॉडल सफल होता है तो उज्जैन देश का पहला ऐसा धार्मिक शहर होगा, जहां आस्था ही अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा इंजन बनेगी। इसका असर सिर्फ पर्यटन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि होटल उद्योग, परिवहन, रियल एस्टेट, शिक्षा, स्वास्थ्य, छोटे व्यापार, स्टार्टअप और सेवा क्षेत्र तक दिखाई देगा। यही कारण है कि सिंहस्थ-2028 को अब केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मध्य भारत की सबसे बड़ी आर्थिक परिवर्तन योजना के रूप में देखा जा रहा है।

उज्जैन को बदलने वाले ये हैं बड़े प्रोजेक्ट

नए घाट (29 किमी) 778 करोड़, 22 नए पुल 853 करोड़, सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी बांध 445 करोड़, सीवरेज नेटवर्क 438 करोड़,. इंटीग्रेटेड टेंपल इकोसिस्टम 645 करोड़, गवर्नमेंट मेडिकल कालेज 592 करोड़, यूनिटी माल 284 करोड़, सड़क चौड़ीकरण नेटवर्क 750 करोड़

9380 करोड़ का निवेश-: विक्रम उद्योगपुरी और मेडिकल डिवाइस पार्क मिलकर प्रदेश के सबसे बड़े औद्योगिक केंद्रों में शामिल।

87 उद्योगों को जमीन-: दोनों परियोजनाओं में दर्जनों कंपनियों को भू-आवंटन, कई इकाइयों में उत्पादन शुरू।

29 हजार रोजगार-: निवेश के साथ युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर तैयार।

महिला श्रमिकों को बड़ी सौगात-: 50 करोड़ रुपये से 1554 क्षमता का अत्याधुनिक वर्किंग वुमन हास्टल बन रहा।

उठे सवाल... आखिर छोटे ठेले-गुमटी ही क्यों निशाने पर?

बड़े अतिक्रमणों पर निगम कब करेगा समान कार्रवाई

छात्र की चाय की गुमटी हटाने पर निगम मुख्यालय में गरजीं शांत स्वभाव की नेता प्रतिपक्ष

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

नगर निगम द्वारा विजयनगर क्षेत्र से एक छात्र की चाय की गुमटी भी हटाने की कार्रवाई ने अब केवल अतिक्रमण का नहीं, बल्कि निगम की कार्यप्रणाली और उसके दोहरे चरित्र का मुद्दा खड़ा कर दिया है। निगम मुख्यालय में इस कार्रवाई को लेकर आमतौर पर शांत और संयमित मानी जाने वाली नेता प्रतिपक्ष सोनाली मिमरोट भी अधिकारियों के सामने मुखर नजर आईं। छात्र के रोजगार का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कार्रवाई के तरीके पर सवाल खड़े किए। इस पूरे घटनाक्रम ने शहर के सामने कुछ ऐसे सवाल छोड़ दिए हैं, जिनका जवाब नगर निगम को देना होगा।

यदि सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करना ही उद्देश्य है, तो क्या कार्रवाई केवल छोटे ठेले और गुमटी वालों तक ही सीमित रहेगी? क्या शहर के प्रभावशाली व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के सामने बने हालात निगम को दिखाई नहीं देते? विजयनगर क्षेत्र, जहां से छात्र की गुमटी हटाई गई, वहीं कई बड़े होटल, रेस्टोरेंट, कैफे, व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स और निजी अस्पतालों के बाहर वर्षों से सड़कों पर वाहनों की कतारें लगती हैं। कई स्थानों पर पार्किंग सड़क तक फैली रहती है और फुटपाथ भी आम नागरिकों के बजाय व्यावसायिक उपयोग में दिखाई देते हैं।

सड़क पर गुमटी और ठेले यातायात में बाधा बनते

यातायात बाधित होने की शिकायतें भी लगातार सामने आती रही हैं। इसके बावजूद ऐसे मामलों में कार्रवाई उतनी तेज नजर नहीं आती, जितनी एक छोटे स्वरोजगार करने वाले छात्र पर दिखाई दी। नगर निगम का तर्क है कि सड़क पर गुमटी और ठेले यातायात में बाधा बनते हैं। यह बात अपनी जगह सही हो सकती है, लेकिन शहर के नागरिक अब यह भी पूछ रहे हैं कि क्या ट्रैफिक जाम केवल गुमटी और ठेलों से ही लगता है? क्या सड़कों पर फैली अव्यवस्थित पार्किंग, बड़े प्रतिष्ठानों का सड़क तक फैलता कारोबार और नियमों की अनदेखी करने वाले प्रभावशाली संस्थान यातायात अव्यवस्था के लिए जिम्मेदार नहीं हैं? प्रश्न यह भी है कि यदि शहर को व्यवस्थित करना है तो कार्रवाई समान होनी चाहिए। कानून की नजर में छोटा और बड़ा सभी बराबर हैं। केवल कमजोर वर्ग पर कार्रवाई और प्रभावशाली लोगों पर नरमी का संदेश प्रशासन की निष्पक्षता पर सवाल खड़ा करता है। शहर में हजारों युवा स्वरोजगार के माध्यम से अपनी आजीविका चला रहे हैं।

सांसद की अध्यक्षता में

दिशा समिति की बैठक में विकास योजनाओं की समीक्षा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

कलेक्टर सभागृह में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की महत्वपूर्ण बैठक सांसद शंकर लालवानी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी एवं विकास योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में जिले में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे जागरूकता एवं जनभागीदारी से जुड़े प्रयासों की समीक्षा की गई। युवाओं और विद्यार्थियों को नशे से दूर रखने, नशामुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा विभिन्न विभागों एवं सामाजिक संस्थाओं के समन्वय से अभियान को और प्रभावी बनाने पर चर्चा हुई। इसी क्रम में पीएम श्री स्कूल योजना के अंतर्गत चयनित विद्यालयों में शैक्षणिक सुविधाओं, आवश्यक संसाधनों, अधोसंरचना विकास एवं विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली गई। विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं का बेहतर संचालन सुनिश्चित करने तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं आधुनिक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्यप्रदेश में अपने संगठनात्मक ढांचे में बड़ा बदलाव

आरएसएस का मालवा प्रांत मार्च से बदलेगा, होंगे संभाग प्रचारक

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

आरएसएस ने संगठन के काम की दृष्टि से इंदौर और उज्जैन संभाग को मिलाकर मालवा प्रांत का वर्ष 2009 में गठन किया था, लेकिन अगले वर्ष मार्च से फिर इसमें बदलाव किया जा रहा है। इसकी तैयारी संघ स्तर पर हो चुकी है। इस बदलाव के बाद आरएसएस में प्रांत प्रचारक के बजाय संभाग प्रचारक का पद होगा। बाकी अन्य पदों में ज्यादा बदलाव नहीं होगा।

पांच माह पहले हरियाणा में हुई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की बैठक में इस फैसले पर मुहर लगी है। दरअसल, अब संघ का फोकस युवा और सोशल इंजीनियरिंग पर ज्यादा है। संघ के आनुषंगिक संगठनों की भूमिका भी इसमें बढ़ गई है।

काम को आसान करने के लिए प्रांत को और छोटा किया जा रहा है। मालवा प्रांत के पदाधिकारियों के अनुसार, संभाग स्तर पर नई व्यवस्था बनाने की तैयारी हो चुकी है। पदों की संरचना भी संभाग स्तर पर होने वाले गठन के दौरान ही हो जाएगी।मालवा प्रांत में पांच हजार से ज्यादा शाखाएं हैं। इसकी संख्या दो संभागों में बदले जाने के बाद बढ़ेगी और संघ का विस्तार और व्यापक होगा।

प्रदेश में 11 संभाग

अभी प्रदेश में संघ के तीन प्रांत मालवा, महाकौशल और मध्य भारत हैं। बदलाव के बाद पूरे प्रदेश में 11 संभाग होंगे। इससे नए और ज्यादा पदाधिकारी बनेंगे और उनके संपर्क भी ज्यादा बढ़ेंगे। संभाग स्तर पर नई व्यवस्था के अलावा प्रदेश स्तर की कार्यसमिति भी रहेगी। संभाग प्रचारकों के अलावा प्रदेश प्रचारक का पद भी हो सकता है।इंदौर संभाग का कार्यालय सुदर्शन भवन में संचालित होगा, जबकि उज्जैन का कार्यालय शिप्रा नदी के पास स्थित भवन से संचालित हो सकता है।

स्व-राजस्व वृद्धि और अनिवार्य विकास मॉडल पर विशेष जोर दिया जाए

उज्जैन। छठवें मध्यप्रदेश राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया की अध्यक्षता में प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में संभागीय समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में वित्त आयोग के सदस्य के.के. सिंह तथा सदस्य सचिव वीरेंद्र कुमार, संभागायुक्त आशीष सिंह, उज्जैन संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर्स और सीईओ जिला पंचायत, नगर निगम आयुक्त उपस्थित रहे। बैठक में जिला मुख्यालयों के स्थानीय नगरीय निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं के व्यय एवं आय, कुल व्यय में स्थापना व्यय तथा निकायों के मूल दायित्व जैसे स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, प्रकाश, पेयजल, सीवरेज इत्यादि की व्यवस्था, राजस्व संग्रहण को बढ़ाने के लिए किए गए उपाय आदि की जिलेवार विस्तार से समीक्षा की गई।

उज्जैन के कालभैरव मंदिर में बदली दर्शन व्यवस्था

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

कालभैरव मंदिर में दर्शन व्यवस्था में बदलाव किया गया है। मंदिर प्रशासन ने भीड़ नियंत्रण के लिए वीआईपी गेट के सामने जिगजैग का निर्माण किया है, जिससे होकर भक्त मंदिर में दर्शन करने पहुंच रहे हैं। भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर में प्रोटोकॉल दर्शन व्यवस्था को भी बंद कर दिया गया है। मंदिर प्रशासक संध्या मार्कण्डेय ने बताया श्रावण मास शुरू होते ही कालभैरव मंदिर में आस्था का ज्वार उमड़ने लगा है। प्रतिदिन दो लाख से अधिक भक्त भगवान कालभैरव के दर्शन करने मंदिर पहुंच रहे हैं। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं के लिए सुगम दर्शन व्यवस्था के इंतजाम किए हैं।

पटवारी महेश देपन के अनुसार भीड़ नियंत्रित करने के लिए मंदिर के प्रोटोकॉल द्वार के सामने मैदान में अतिक्रमण हटाकर वहां दान में प्राप्त बैरिकेड से नया जिगजेग बनाया है। दर्शनार्थियों को जिगजेग से कतार के रूप में मुख्य द्वार से मंदिर में प्रवेश दिया जा रहा है। श्रावण में भीड़ की स्थिति को देखते हुए सारी व्यवस्था आम भक्तों को केंद्र मे रखकर बनाई गई है। आम भक्त की सुविधा के लिए वीआइपी प्रोटोकाल बंद कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शासकीय आदिवासी महिला आईटीआई में किया प्रशिक्षु छात्राओं से संवाद

प्रशिक्षु छात्राएं तकनीकी दक्षता के साथ अपनी जड़ों से जुड़े : मुख्यमंत्री

तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास देश की युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास देश की युवा शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने प्रशिक्षु छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे अपने आत्मविश्वास को बनाए रखें, तकनीकी दक्षता के साथ अपनी जड़ों और खेती से भी जुड़े रहें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को शासकीय आदिवासी महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) के भ्रमण के दौरान प्रशिक्षु छात्राओं से संवाद कर रहे थे। लोक निर्माण मंत्री एवं छिंदवाड़ा जिले के प्रभारी श्री राकेश सिंह, सांसद श्री विवेक बंटी साहू, मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, संभागायुक्त श्री धनंजय सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का अवलोकन करते हुए प्रशिक्षु छात्राओं से उनके प्रशिक्षण, भविष्य की योजनाओं तथा शासन की विभिन्न योजनाओं से प्राप्त हो रहे लाभ के संबंध में विस्तार से चर्चा की। मैकेनिकल लैब में उन्होंने सीआरडीआई फोर-स्ट्रोक डीजल इंजन के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा लेथ मशीन पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं की सराहना की।

फिटर ट्रेड की प्रशिक्षु सुषमा उइके ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनके माता-पिता कृषि कार्य से जुड़े हैं और वह तकनीकी प्रशिक्षण लेकर इस क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहती हैं। मुख्यमंत्री ने छात्रा से कहा ह्लइसी आत्मविश्वास को बनाए रखिए।

संवाद के दौरान प्रशिक्षु राधा उड़के ने बताया कि वह प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई तकनीकों का उपयोग खेती-किसानी में भी करेंगी तथा भविष्य में स्वयं की टेक्निशियन मशीन और हार्डवेयर वर्कशॉप स्थापित करना चाहती हैं। मुख्यमंत्री ने उनके संकल्प की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रशिक्षुओं से शासकीय योजनाओं से मिल रहे लाभ के संबंध में भी जानकारी ली। प्रशिक्षु मीना करवेती ने आत्मविश्वास के साथ 'मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना' तथा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि उन्हें बाइंडिंग, पंखा मरम्मत, वायरिंग तथा मशीन पार्ट्स को जोड़ने जैसे तकनीकी कार्यों में दक्षता प्राप्त है और वे सभी कार्य सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन करते हुए करती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रशिक्षुओं के उत्साह और प्रतिबद्धता से प्रभावित होकर कहा कि उनकी जिम्मेदारी केवल अपना जीवन बेहतर बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने कौशल और ज्ञान से समाज तथा अन्य लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की भी है।

वेस्ट से निर्मित तोप मुख्यमंत्री को भेंट की

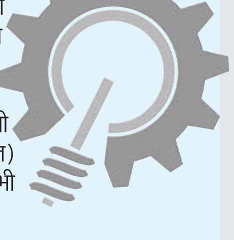

संस्थान में फिटर ट्रेड के प्रशिक्षुओं ने वेस्ट टू आर्ट की अवधारणा पर तैयार आकर्षक गिटार तथा वेस्ट से निर्मित तोप मुख्यमंत्री को भेंट की। मुख्यमंत्री ने इन रचनात्मक प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि नवाचार और तकनीकी कौशल का ऐसा समन्वय युवाओं की प्रतिभा और सृजनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को संस्थान की प्रवेश विवरणिका भी भेंट की गई। मुख्यमंत्री के साथ प्रशिक्षु छात्राओं ने सामूहिक छायाचित्र भी खिंचवाया। भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संस्थान परिसर में मलबरी (शहतूत) का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

सीएम को दुबई में होने वाली एनुअल इन्वेस्टमेंट मीटिंग का मिला आमंत्रण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास में ग्लोबल फाउंडेशन दुबई के प्रेसिडेंट डॉ. दाऊद अल शेजावी ने भेंट की। डॉ. शेजावी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को 7 से 9 सितंबर तक दुबई में होने वाली एनुअल इन्वेस्टमेंट मीटिंग कांग्रेस-2026 के 15वें संस्करण का आमंत्रण दिया। इस कार्यक्रम में मुख्य फोकस सस्टेनेबल निवेश , डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, आर्थिक विविधिता, उभरते बाजार और अंतर्राष्ट्रीय साझेधारी पर रहेगा। आयोजन की थीम रीशेपिंग ग्लोबल प्रास्परेटी : अन्लाकिंग न्यू इन्वेस्टमेंट पाथवे टूवर्ड्स अ सस्टेनेबिल एण्ड इन्क्लूसिव फ्यूचरङ है। डॉ. शेजावी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जानकारी दी कि गत वर्ष हुई एनुअल इन्वेस्टमेंट मीटिंग में 180 से अधिक देशों के 15 हजार प्रतिनिधि शामिल हुए थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से डॉ. शेजावी की भेंट के अवसर पर नीरज मंडलोई और चंद्रमौली शुक्ला उपस्थित थे।

बच्चों को नैतिक मूल्यों की शिक्षा देने की जरूरत

हमारे समय स्कूलों में नैतिक शिक्षा की एक कक्षा होती थी, जिसमें नैतिकता से संबंधित बहुत सारी बातें बताई जाती थीं। लेकिन आज न तो इसके बारे में सोचने का समय है और न ही हम इन बातों पर आगे बढ़ना चाहते हैं, बल्कि इन्हें अव्यावहारिक और खोखला आदर्शवाद कहकर खारिज किया जा रहा है। यदि कोई नैतिक बात करे, तो उपदेशक बताकर उस पर व्यंग्य-बाण छोड़े जाते हैं, यानी समाज में जान-बूझकर एक ऐसा वातावरण बनाया जा रहा है, जिसमें अच्छे विचारों और आचरण के लिए जगहें सिमटती जा रही हैं। ऐसा नहीं है कि आधुनिक युवा अच्छा नहीं सोचते। सोचते हैं, तभी तो उनमें से कई सारे नौजवान अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ते हैं, लेकिन समाज की सामूहिक सोच में आश्चर्यजनक रूप से बदलाव हुआ है। नौजवानों का एक बड़ा वर्ग अपनी जिंदगी के हर एक पल को पूरी तरह जीना चाहता है। उसकी यह चाहत कब मस्ती भरी जिंदगी में तब्दील हो गई, पता ही नहीं चला। मस्ती की इस जिंदगी में परंपरागत नैतिक मूल्य पुराने पड़ने लगे व नैतिकता की नई परिभाषा गढ़ी जाने लगी। ऐसे में, वे एक ऐसी राह पर चल पडे.हैं, जिसमें कुछ उचित है, तो काफी कुछ अनुचित भी। हमें अपने बच्चों को नैतिक मूल्य की शिक्षा जरूर देनी चाहिए, लेकिन वे बातें उन्हें व्यावहारिकता के धरातल पर लागू दिखेंगी, तभी उन पर असर करेंगी। होता यह है कि उन्हें नैतिकता की जो थोड़ी-बहुत बातें बताई भी जाती हैं, व्यावहारिक जिंदगी में वे इन बातों को नदारद पाते हैं, तो उनकी दुविधा बढ़ जाती है। इसलिए बच्चों को नैतिकता का पाठ पढ़ाने से पहले हमें अपने जीवन में उन्हें स्थान देना होगा, तभी स्थिति में सुधार संभव है।

सम्पादकीय

जेन-जी पर भागवत संदेश

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत एक ऐसा व्यक्तित्व हैं जो समय-समय पर महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखते हैं। उनके हर वाक्य और शब्द की व्याख्या और विश्लेषण भी होता है। उनके हर सम्बोधन का संदेश और अर्थ ढूंढ़े जाते हैं। नीट पेपर लीक और अन्य परीक्षाओं से जुड़ी अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों यानि कॉकरोच जनता पार्टी के सफल आंदोलन के बाद देश के शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को न केवल इस्तीफा देना पड़ा बल्कि मोदी सरकार को नीट परीक्षा सुधारों के लिए कदम उठाने पड़े। साथ ही पेपर लीक के दोषियों को दंडित करने के लिए सख्त कानून भी बनाना पड़ा। इस आंदोलन के बाद राजनीतिक घमासान छिड़ा हुआ है। विपक्ष इस मुद्दे को जोर-शोर से उछाल रहा है। इसी बीच संघ प्रमुख ने मुम्बई में जेन-जी से संवाद करते हुए अपना रुख पूरी तह से स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने जेन-जी और जी-अल्फा को पुरानी पीढ़ी से ज्यादा देशभक्त और ईमानदार बताया और कहा कि जेन-जी आंदोलन का अर्थ यह नहीं कि वह राष्ट्र विरोधी है। यह अपने ही लोग हैं। उनसे हमारा संबंध है। जैसे उन्हें हमारी बात समझनी चाहिए वैसे ही हमें भी उनकी बात सुननी चाहिए। उन्होंने पीढ़ीगत बदलाव की ओर संकेत करते हुए यह भी कहा कि हम लोग जब युवा अवस्था में थे तो जो बड़े कहते थे हम मान लेते थे, सवाल नहीं करते थे। आज की पीढ़ी सवाल करती है। उन्हें जवाब चाहिए और प्यार भी चाहिए।

उन्होंने सरकार की गलती पर भी कहा कि अगर सरकार ने पहले ही बात कर ली होती तो आंदोलन की जरूरत ही नहीं होती। छात्रों का आंदोलन हमारे खिलाफ नहीं बल्कि सिस्टम में सुधार के लिए है। संघ के सहकार्यवाह अतुल लिमये ने सीजेपी के आंदोलन को एक केस स्टडी बताते हुए इसे एंटी-कॉन्स्टिट्यूशनल और एंटी-नेशनल करार दिया था। उन्होंने कहा था कि नीट पेपर लीक पर छात्रों का गुस्सा स्वाभाविक था, लेकिन सीजेपी के नेतृत्व वाला प्रदर्शन बड़े राजनीतिक उद्देश्य के साथ संगठित था। लिमये के अनुसार, वामपंथी अल्टरनेटिव पॉलिटिक्स की अवधारणा को इस आंदोलन के जरिए परखा गया। उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर के ग्रामर ऑफ एनार्की भाषण का जिक्र करते हुए अराजकतावादी ताकतों के खिलाफ सतर्क रहने की अपील की थी।

जिम्मेदार निभाएँ अपनी जिम्मेदारी

संसद में गतिरोध और लोकतंत्र : संवाद की संस्कृति कब लौटेगी?

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है। संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि देश की जनता की आकांक्षाओं, समस्याओं और भविष्य की दिशा तय करने वाला सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्थान है। यहां सत्ता और विपक्ष दोनों जनता के प्रतिनिधि के रूप में बैठते हैं। सत्ता पक्ष सरकार चलाने के लिए जनादेश लेकर आता है, जबकि विपक्ष सरकार की नीतियों की समीक्षा, आलोचना और आवश्यक सुधारों का सुझाव देने की संवैधानिक जिम्मेदारी निभाता है। जब संसद सुचारु रूप से चलती है, तब लोकतंत्र मजबूत होता है; लेकिन जब संसद लगातार गतिरोध का शिकार होती है, तब केवल सदन का समय ही नष्ट नहीं होता, बल्कि जनता का विश्वास भी कमजोर होने लगता है।

सौरभ वार्ष्णेय
(दैनिक अवन्तिका)

हाल के वर्षों में संसद के प्रत्येक सत्र में किसी न किसी मुद्दे को लेकर गतिरोध देखने को मिलता है। कभी विपक्ष सरकार से किसी विषय पर चर्चा की मांग करता है, तो कभी सरकार विपक्ष पर सदन नहीं चलने देने का आरोप लगाती है। परिणाम यह होता है कि प्रश्नकाल स्थगित हो जाता है, विधेयक बिना व्यापक बहस के पारित हो जाते हैं और जनता के करोड़ों रुपये का समय और संसाधन व्यर्थ चला जाता है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन मतभेद यदि संवाद के स्थान पर टकराव का रूप ले लें, तो लोकतंत्र की आत्मा आहत होती है।

संसद में हंगामा कोई नई बात नहीं है। भारतीय संसदीय इतिहास में कई बार तीखी बहसें हुई हैं, विरोध प्रदर्शन हुए हैं और सदन की कार्यवाही बाधित भी हुई है। किंतु अतीत में लंबे और गंभीर विमर्श भी होते थे। विपक्ष सरकार को कठघरे में खड़ा करता था, सरकार जवाब देती थी और अंततः जनता के सामने तथ्य आते थे। आज स्थिति यह है कि बहस की जगह नारेबाजी और संवाद की जगह राजनीतिक रणनीति ने ले ली है। इससे संसद की गरिमा प्रभावित होती है।

लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। विपक्ष केवल सरकार का विरोध करने के लिए नहीं होता, बल्कि वह वैकल्पिक सोच प्रस्तुत करता है। यदि सरकार कोई गलत निर्णय लेती है तो उसे रोकना, जनता की समस्याओं को सदन में उठाना और जवाबदेही सुनिश्चित करना विपक्ष का दायित्व है। दूसरी ओर सरकार का दायित्व है कि वह विपक्ष की बात सुने, महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा कराए और संसद को विश्वास में लेकर आगे बढ़े। यदि दोनों पक्ष अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का संतुलन खो देते हैं, तो लोकतंत्र कमजोर पड़ता है।

आज संसद में अनेक महत्वपूर्ण विषय चर्चा की प्रतीक्षा कर रहे हैं। बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की समस्याएं, शिक्षा, स्वास्थ्य, राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमा विवाद, डिजिटल अपराध, पर्यावरण संरक्षण, न्यायिक सुधार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की चुनौतियां तथा आर्थिक असमानता जैसे मुद्दे व्यापक बहस की मांग करते हैं। दुर्भाग्य यह है कि इन विषयों पर गंभीर चर्चा कम और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप अधिक दिखाई देते हैं। जनता अपने प्रतिनिधियों को नारे लगाने के लिए नहीं, बल्कि समाधान खोजने के लिए संसद भेजती है।

संसदीय परंपराओं का सम्मान लोकतंत्र की मजबूती की पहली शर्त है। संसद की कार्यवाही का सीधा प्रसारण आज करोड़ों लोग देखते हैं। युवा पीढ़ी अपने जनप्रतिनिधियों से सीखती है कि लोकतंत्र में असहमति कैसे व्यक्त की जाती है। यदि संसद में लगातार शोर-शराबा, नारेबाजी और अव्यवस्था दिखाई देगी, तो समाज में भी संवाद की संस्कृति कमजोर होगी। लोकतंत्र का अर्थ केवल बहुमत नहीं, बल्कि असहमति का सम्मान भी है। एक गंभीर प्रश्न यह भी है कि संसद का बहुमूल्य समय बार-बार नष्ट होने की कीमत कौन चुकाता है? संसद चलाने में प्रतिदिन करोड़ों रुपये का खर्च आता है। यह धन करदाताओं की मेहनत की कमाई है। जब सदन की कार्यवाही बिना किसी सार्थक चर्चा के स्थगित हो जाती है, तब यह केवल आर्थिक नुकसान नहीं होता, बल्कि लोकतांत्रिक जवाबदेही का भी नुकसान होता है। जनता यह अपेक्षा करती है कि उसके प्रतिनिधि हर मिनट का उपयोग उसके हित में करें।

विधेयकों पर पर्याप्त चर्चा लोकतंत्र की मूल आवश्यकता है। किसी भी कानून का प्रभाव वर्षों तक समाज पर पड़ता है। यदि विधेयक बिना पर्याप्त बहस के पारित हो जाएं, तो भविष्य में अनेक व्यावहारिक कठिनाइयां सामने आ सकती हैं। कानून बनाने की प्रक्रिया जितनी पारदर्शी और विचारपूर्ण होगी, कानून उतने ही प्रभावी और स्वीकार्य होंगे। इसलिए सरकार को चाहिए कि वह महत्वपूर्ण विधेयकों पर विपक्ष को पर्याप्त समय दे और विपक्ष को भी रचनात्मक सुझावों के साथ बहस में भाग लेना चाहिए।

मीडिया की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। यदि मीडिया केवल राजनीतिक टकराव को प्रमुखता देगा और गंभीर संसदीय बहसों को पर्याप्त स्थान नहीं देगा, तो राजनीतिक दल भी सुर्खियां बटोरने वाली राजनीति को प्राथमिकता देंगे। लोकतंत्र में मीडिया का दायित्व केवल विवाद दिखाना नहीं, बल्कि नीति, कानून और जनहित के मुद्दों पर सार्थक विमर्श को बढ़ावा देना भी है।

संसद में गतिरोध का एक कारण राजनीतिक ध्रुवीकरण भी है। आज राजनीतिक दलों के बीच वैचारिक मतभेद स्वाभाविक सीमा से आगे बढ़कर व्यक्तिगत और स्थायी विरोध का रूप लेते दिखाई देते हैं। लोकतंत्र में चुनावी प्रतिस्पर्धा आवश्यक है, लेकिन चुनाव समाप्त होने के बाद राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होना चाहिए। संसद में सत्ता और विपक्ष प्रतिद्वंद्वी हो सकते हैं, शत्रु नहीं। यदि यह भावना विकसित हो जाए कि देश पहले और राजनीति बाद में, तो अनेक समस्याओं का समाधान स्वतः संभव हो जाएगा।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। अनेक विकासशील देश भारत की संसदीय व्यवस्था को आदर्श मानते हैं। ऐसे में हमारी संसद का आचरण केवल देश के लिए ही नहीं, बल्कि विश्व समुदाय के लिए भी संदेश देता है। यदि संसद निरंतर गतिरोध का प्रतीक बनेगी, तो यह भारत की लोकतांत्रिक छवि को भी प्रभावित करेगा। इसलिए प्रत्येक सांसद की जिम्मेदारी व्यक्तिगत और दलगत हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय दायित्व निभाने की है। संसद को अधिक प्रभावी बनाने के लिए कुछ व्यावहारिक सुधारों पर भी विचार किया जाना चाहिए। सभी दलों के बीच नियमित सर्वदलीय बैठकें हों, विवादित विषयों पर पहले से सहमति बनाने का प्रयास हो, संसदीय समितियों को और अधिक सशक्त बनाया जाए तथा प्रश्नकाल और शून्यकाल की गरिमा को हर परिस्थिति में बनाए रखा जाए। साथ ही, बार-बार सदन की कार्यवाही बाधित करने वाले सदस्यों के विरुद्ध संसदीय नियमों के अनुरूप निष्पक्ष कार्रवाई भी आवश्यक है।

कटोरा और भूखा इंसान

नगर पालिका कार्यालय के ठीक बाहर बने कूड़ादान के पास अठहत्तर साल के भीखम बाबा रोज दोपहर बारह बजे एक पीला प्लास्टिक का कटोरा लेकर बैठ जाते थे। उनके कटोरे में खाने की एक भी बासी रोटी नहीं होती थी बल्कि उसमें केवल सूखे पत्ते और मिट्टी के कुछ छोटे-छोटे ढेले भरे होते थे। सफाई कर्मचारी जब भी ट्रॉली लेकर कचरा उठाने आता तो बाबा को उस मटमैले कटोरे को दोनों हाथों में बड़े सहेजकर रखते देखकर हैरान रह जाता था। चपरासी ने एक दिन उन्हें भगाते हुए कहा कि बाबा जब भीख ही मांगनी है तो मुख्य बाजार के मंदिर के बाहर जाओ इस बदबूदार कचरा घर के पास पीला कटोरा लेकर क्यों बैठते हो। भीखम बाबा ने अपनी झुर्रियों से ढकी धुंधली आँखों से दफ़्तर की विशाल इमारत की तरफ देखा और गहरी साँस लेते हुए बोले कि बेटा मंदिर का बाजार पेट भर सकता है पर मेरी आत्मसम्मान की भूख को शांत नहीं कर सकता। इस कचरे के कटोरे में मेरे स्वाभिमान की वो अमूल्य धरोहर छिपी है जिसे पाने के लिए मैं पिछले चार सालों से रोज यहाँ आकर बैठता हूँ। आसपास खड़े लोग उनका मजाक उड़ाते हुए कहते कि लगता है इस बूढ़े का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है जो कचरे के ढेर में खजाना ढूंढ रहा है। हमारे देश में जो सच बोलता है उसे पागल घोषित कर देना सबसे सुरक्षित प्रशासनिक व्यवस्था है। प्रशासन की नजर में विवेक वही है जो कुर्सी की पूजा करे, बाकी सब तो विक्षिप्त हैं। कूड़ेदान सरकारी फाइलों का वह प्रतिरूप है जिसमें जनता की उम्मीदें सड़ती हैं। कार्यालय की इमारत जितनी विशाल होती है, उसके भीतर संवेदनाएं उतनी ही बौनी हो जाती हैं। पत्थर की इमारतों में रहने वाले अक्सर ये भूल जाते हैं कि फाइलें कागज की नहीं, आदमी की खाल से मढ़ी होती हैं। नगर पालिका के कर्मचारी और दफ़्तर आने वाले व्यापारी भीखम बाबा को पागल समझकर अनदेखा कर देते थे।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 10 अगस्त 2026 सोमवार
सूर्योदय - 06:05 सूर्यास्त 18:59
श्रावण मास कृष्ण पक्ष
राहुकाल - 07:30 से 09:00 तक
तिथि - द्वादशी 08:01 उपरांत त्रयोदशी 04:54 उपरांत चतुर्दशी
नक्षत्र - आर्द्रा 12:27 उपरांत पुनर्वसु
योग - वज्र 22:26 उपरांत सिद्धि
करण - तैतिल
चन्द्रमा - मिथुन में है। 28:43 पर कर्क में प्रवेश करेगा।
मुस्लिम मास-सावान मास 26 तारिख

मेष- आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी, सोचे हुए कार्य पूरे होंगे। स्वास्थ्य उत्तम बना रहेगा।

वृषभ- छोटे भाई-बहनों और मित्रों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं।

मिथुन- चंद्रमा और मंगल आपकी राशि में होने से आत्मविश्वास और ऊर्जा चरम पर रहेगी।

कर्क- आकस्मिक धन लाभ और कार्यक्षेत्र में नई सफलता मिलने की संभावना है।

सिंह- क्रोध और जल्दबाजी में कोई भी बड़ा फैसला लेने से बचें। प्रेम संबंधों में आकर्षण बढ़ेगा।

कन्या- शुक्र आपकी राशि में होने से आपकी सौंदर्यबोध और कार्यशैली की तारीफ होगी। माता जी का आशीर्वाद मिलेगा, घर में खुशहाली रहेगी।

तुला- नौकरी और व्यापार में पद-प्रतिष्ठा बढ़ने के योग हैं। शनि आपकी राशि में होने से कार्यों में अनुशासन बनाए रखें।

वृश्चिक- किसी नई परियोजना या जिम्मेदारी की शुरूआत हो सकती है। पार्टनर के साथ तालमेल बहुत अच्छा रहेगा।

धनु- व्यापारिक साझेदारी से बड़ा फायदा होने की प्रबल संभावना है।

मकर- दैनिक रोजगार में वृद्धि होगी और नए ग्राहक जुड़ेंगे। कार्यस्थल पर सहकर्मियों का पूरा समर्थन प्राप्त होगा।

कुंभ- जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर और मजबूत रहेंगे। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, दिनचर्या को व्यवस्थित रखें।

मीन- भौतिक सुख-सुविधाओं और प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में प्रगति होगी।

समसामयिक

वन में झूलना भी एक भक्ति है

सावन में सनातन श्रद्धालुओं के घरों में राधा -कृष्ण का झूला लगाकर उन्हें झुलाया जाता है। इसके अलावा गांव में, मंदिरों में लगे वृक्ष पर झूला बांधा जाता हअे जहां महिलाएं मंदिर दर्शन कर झूला झूल कर अपने आराध्य को झूलने की भक्ति करती है। वृक्ष कम होने से अब झूला बांधने लिए व्यवस्था में कमी आ रही है इसलिये गांव, मंदिरो में जहां वृक्षारोपण की जगह हो वहां अवश्य करना चाहिए ताकि सनातन प्रथा झूलने की चलती रहे। जानकारी के मुताबिक झूलन महोत्सव श्रावण (अगस्त) माह में, शुक्ल पक्ष की एकादशी से पूर्णिमा तक मनाया जाता है। यह महोत्सव श्री कृष्ण की अपने मित्रों, ग्वाल-बालों के साथ वृक्षों के नीचे झूला झूलने की बाल लीलाओं की स्मृति में मनाया जाता है। सावन के माह में कृष्ण का झूला झूलने के पीछे मान्यता यह भी है सावन के महीने में भगवान कृष्ण ने राधा रानी को भी झूला झुलाया था. इसके बाद से लोगों ने सावन में झूला झूलना शुरू कर दिया आपको बता दें कि सावन में झूला झूलने से परिवार के सदस्यों में एकता बनी रहती है। पति-पत्नी के बीच प्यार बढ़ता है. सावन के महीने में चारों ओर हरियाली नजर आती है। इस दौरान झूला झूलने की परंपरा है जो पति-पत्नी के प्रेम और सामंजस्य का प्रतीक है। मान्यता है कि भगवान शिव ने भी माता पार्वती के लिए झूला लगाया था।

संजय वर्मा
दैनिक अवन्तिका

अहंकार की धूप

अपनापन जब से गया, भूले अपने लोग।
अहंकार की धूप में, जलते अब संयोग॥
माटी की खुशबू गई, छूटे अपने गाँव।
ऊँचे महलों में मिला, रिश्तों का अभाव॥
वैभव ने ले ली हँसी, छीन लिया सत्कार।
रिश्ते भी बाजार में, होते अब व्यापार–
धन आया घर-द्वार पर, बदले सब व्यवहार॥
थाली, चूल्हा, प्रेम था, था अपनापन साथ।
दौलत ने फिर बाँट दी, आँगन वाली बात॥
बात-बात में आ गया, अहंकार का शोर।
अपने ही लगने लगे, जैसे कोई और॥
दौलत की चौखट बनी, मन का नया द्वार।
ऊँचे होते घर गए, छोटे हुए विचार–
धन आया घर-द्वार पर, बदले सब व्यवहार॥
धन से केवल देह का, मिलता है श्रृंगार।
मन की निर्धनता मगर, करती जीवन भार॥
धन से बढ़कर मान है, प्रेम भरा परिवार।
संस्कारों की छाँव में, खिलता है संसार॥
धन टिकता कुछ काल ही, सद्गुण रहें आधार।
जिसने विनय बचा लिया, वही रहा धनवान–
धन आया घर-द्वार पर, बदले सब व्यवहार॥
सोना-चाँदी क्या करे, यदि खो जाए मेह।
संस्कारों से ही सजे, जीवन, घर और नेह॥
जिसने धन को साध लिया, वह सच्चा धनवान।
धन का दास जो बना, खो बैठा सम्मान॥
नेह बचा हो साथ तो, जीवन है त्योहार।
मानवता के सामने, फीका हर श्रृंगार–
धन आया घर-द्वार पर, बदले सब व्यवहार॥

डॉ सत्यवान सौरभ
(दैनिक अवन्तिका)

शरीर के लिए क्यों लाभदायक है आयोडिन नमक

हमारे शरीर के लिए बहुत ही जरूरी पोषक तत्व है। जो हमें कई खतरनाक बीमारियों से बचाता है। शरीर में इसकी कमी से अपच थकान कमजोरी और कई अन्य समस्याएं हो सकती हैं। आयोडीन का सबसे समृद्ध स्त्रोत नमक होता है। इसके अलावा भी और कई फूड्स हैं, जिन्हें आप अपनी डाइट में शामिल कर आयोडीन की कमी दूर कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं आयोडीन की कमी से कौन-सी समस्याएं हो सकती हैं और शरीर में इसकी पूर्ति के लिए क्या खाएं। आयोडीन की कमी से होती हैं ये समस्याएं

- गर्भपात।
- मांसपेशियों में ऐठन।
- कब्ज की समस्या।
- ज्यादा ठंड लगना।
- याददाश्त कमजोर होना।
- कोलेस्ट्रॉल लेवल का बढ़ना।
- बच्चों के विकास में कमी।

आयोडीन की कमी दूर करने के लिए खाएं ये फूड्स

सी-फूड

सी-फूड पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसमें आयोडीन की मात्रा पर्याप्त होती है। इसे खाने से आपकी मेमोरी बूस्ट होती है। शरीर में आयोडिन की कमी को दूर करने के लिए सी-फूड जरूर खाएं। थायरॉइडविकार

कॉड फिश

हमने आपको पहले ही बताया कि सी फूड में आयोडीन पाया जाता है। इन्हीं सी-फूड में शामिल कॉड फिश, जो आयोडीन का समृद्ध स्त्रोत है। इस फिश में आयोडीन की मात्रा सबसे ज्यादा पाई जाती है। शरीर में आयोडीन की पूर्ति के लिए डाइट में आप इस फीश को शामिल कर सकते हैं।

दही

दही सेहत का खजाना है। इसमें कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह प्रोटीन, कैल्शियम, पोटैशियम जैसे तत्वों से भरपूर होता है। इसके अलावा इसमें विटामिन-डी और आयोडीन की मात्रा भी पाई जाती है। दही पाचन को स्वस्थ रखने और आयोडीन की कमी भी दूर करता है।

अंडे

अंडे हेल्दी डाइट का अहम हिस्सा है। इसमें प्रोटीन की मात्रा भरपूर होती है। इसके अलावा अंडे में ओमेगा-3 फैटी एसिड, एंटी ऑक्सीडेंट और अन्य विटामिंस पाए जाते हैं। यह आयोडीन का भी अच्छा स्त्रोत है।

ब्राउन राइस

ब्राउन राइस सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। इसमें कैल्शियम, फाइबर और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह राइस आयोडीन का भी अच्छा स्त्रोत है। शरीर में आयोडीन की कमी के दूर करने के लिए ब्राउन राइस जरूर खाएं।

धर्म-आस्था

दशमहाविद्याएँ और नवग्रह : शक्ति, साधना और जीवन संतुलन का दिव्य विज्ञान

सनातन धर्म में शक्ति की उपासना केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि आत्मशक्ति, चेतना और ब्रह्मांडीय ऊर्जा के साथ जुड़ने का माध्यम भी मानी गई है। देवी के असंख्य स्वरूपों में दशमहाविद्याओं का स्थान अत्यंत विशिष्ट है। तांत्रिक परंपरा में इन्हें आदिशक्ति के दस परम दिव्य स्वरूप कहा गया है, जो सृष्टि, पालन, संहार, ज्ञान, वैराग्य, ऐश्वर्य और मोक्ष जैसे समस्त आध्यात्मिक आयामों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन महाविद्याओं का संबंध नवग्रहों से भी बताया गया है। मान्यता है कि ग्रहों की प्रतिकूलता केवल ज्योतिषीय उपायों से ही नहीं, बल्कि शक्ति की साधना से भी संतुलित की जा सकती है। विभिन्न तांत्रिक ग्रंथों और संप्रदायों में ग्रहों और महाविद्याओं के संबंध में कुछ मतभेद अवश्य मिलते हैं, किंतु सामान्य रूप से स्वीकार की जाने वाली परंपरा के अनुसार महाकाली का संबंध शनि, तारा का बृहस्पति, त्रिपुरसुंदरी का बुध, भुवनेश्वरी का चंद्र, छिन्नमस्ता का राहु, त्रिपुर भैरवी का मंगल, धूमावती का केतु, बगलामुखी का मंगल अथवा कुछ परंपराओं में राहु, मातंगी का सूर्य तथा कमला का शुक्र ग्रह से माना जाता है।

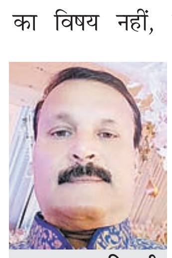

अजयकुमार बियाणी
(दैनिक अवन्तिका)

महाकाली समय, कर्म और परिवर्तन की अधिष्ठात्री हैं। शनि ग्रह जीवन में कर्मफल, अनुशासन, धैर्य और न्याय का प्रतीक माना जाता है। जिन व्यक्तियों की जन्मपत्रिका में शनि प्रतिकूल हो, अथवा जीवन में लगातार संघर्ष, भय, बाधा और विलंब की स्थिति बनी रहती हो, उनके लिए महाकाली की आराधना अत्यंत फलदायी मानी गई है। यह साधना साधक के भीतर धैर्य, निर्भयता और कर्म करने की शक्ति जागृत करती है। तारा महाविद्या ज्ञान और गुरु-कृपा की प्रतीक हैं। उनका संबंध बृहस्पति ग्रह से माना जाता है। बृहस्पति धर्म, ज्ञान, शिक्षा, सद्बुद्धि और आध्यात्मिक विकास का कारक है। तारा की उपासना से विद्या, स्मरण शक्ति, आध्यात्मिक प्रगति तथा गुरु का आशीर्वाद प्राप्त होने की मान्यता है।

त्रिपुरसुंदरी अथवा षोडशी को सौंदर्य, संतुलन और पूर्णता की देवी कहा जाता है। बुध ग्रह बुद्धि, वाणी, विवेक और तर्क का प्रतिनिधित्व करता है। अतः त्रिपुरसुंदरी की आराधना से विचारों में संतुलन, वाणी में मधुरता तथा जीवन में समरसता आती है। यह साधना केवल बाहरी सौंदर्य ही नहीं, बल्कि अंतःकरण की सुंदरता भी प्रदान करती है।

भुवनेश्वरी संपूर्ण ब्रह्मांड की अधिष्ठात्री शक्ति हैं। उनका संबंध चंद्र ग्रह से माना जाता है। चंद्र मन, भावनाओं, मातृत्व और मानसिक संतुलन का कारक है। जिन लोगों का मन अशांत रहता हो, भय, चिंता अथवा मानसिक अस्थिरता बनी रहती हो, उनके लिए भुवनेश्वरी की उपासना अत्यंत लाभकारी मानी गई है। यह साधना मन को शांति, स्थिरता और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करती है।

छिन्नमस्ता महाविद्या का स्वरूप अत्यंत रहस्यमय और विलक्षण है। उनका संबंध राहु ग्रह से माना जाता है। राहु भ्रम, आकस्मिक घटनाओं, मायाजाल और असामान्य परिस्थितियों का प्रतीक है। तांत्रिक परंपरा में छिन्नमस्ता की साधना नकारात्मक शक्तियों के नाश, भय पर विजय तथा आकस्मिक संकटों से रक्षा करने वाली मानी गई है। यह साधना आत्मबल और त्याग की सर्वोच्च अभिव्यक्ति भी है। त्रिपुर भैरवी अग्नितत्त्व और तप की देवी हैं। उनका संबंध मंगल ग्रह से माना जाता है। मंगल साहस, ऊर्जा, पराक्रम और संघर्ष का कारक है। त्रिपुर भैरवी की उपासना से साधक में आत्मविश्वास, निर्भीकता, शत्रुओं पर विजय और कठिन परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता विकसित होती है। धूमावती महाविद्या वैराग्य और मोक्ष का स्वरूप हैं। उनका संबंध केतु ग्रह से माना जाता है। केतु आध्यात्मिक जागरण, त्याग और अंतर्मुखता का प्रतीक है। धूमावती की साधना जीवन की बाधाओं को दूर कर साधक को आत्मचिंतन, वैराग्य और आध्यात्मिक उन्नति की दिशा में अग्रसर करती है।

बगलामुखी महाविद्या को शत्रु स्तंभन की अधिष्ठात्री माना जाता है। अनेक तांत्रिक परंपराएँ उनका संबंध मंगल से तो कुछ राहु से मानती हैं। न्यायालयीन विवाद, विरोधियों की बाधा, वाणी पर नियंत्रण तथा मानसिक दृढ़ता के लिए उनकी साधना का विशेष महत्व है।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 6500 से 6600 विशाल 6300 से 6400 मसूर 6000 महाराष्ट्र सफेद 7700 से 7900 महाराष्ट्र लाल 8000 से 8200 कर्नाटक 8100 से - 8300 निमाड़ी तुअर 6500 से 7600 मूंग बेस्ट गर्मी 7200 से 7500 मूंग बेस्ट बोल्ड 7600 से 7800 मीडियम बोल्ड 7400 से 7600 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 9300 से 9500 उड़द गर्मी 8600 से 9300 ग्रेविटी क्लीन 9700 से 10000 हल्का उड़द 4000 से 6000 काबुली डॉलर 7500 से 8800 काबुली रशियन 6100 से 6200 बिटकी 5300 से 5400 सरसों निमाड़ी 8100 से 8300 रायडा 7100 से 7200 करंज 5000 से 5200 सोयाबीन 7000 टोली 5300 से 5400 अलसी 8500 से 9000 तिल्ली 8000 से 9000 गेहूं मिल क्वालिटी 2500 से 2550 लोकबन 2750 से 2800 पूर्णा 2550 से 2600 मालवराज 2600 से 2650 मक्का 1975 से 2000 चना दाल 7400 से 7500 मीडियम 7800 से 7900 बेस्ट 8000 से 8300 तुअर दाल 7300 से 7500 मीडियम 8400 से 8700 बेस्ट 9900 से 10100 एक्स्ट्रा बेस्ट -10900 से 11000 ब्रांडेड 12500 मूंग दाल 8900 से 9000 रुपए।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एक्स्ट्रा सुपर 13500 से 14000 देशी 10000 से 11000 एवरेज 8000 बारीक 4000 रुपए क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 2462-2946, काबली- 5130-8211, बड़ा- 4570-5600, मसूर- 5801-7271, सरसो- 7050-7601, सोयाबीन 3536-7381, तुवर- 4250-4250, तिल्ली- 10491-11001, मावा- 300 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्र्ड- 1,46,200 रवा- 1,46,000 चांदी- टंच- 2,31,000 पाट- 2,30,000।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती 75 से 200, तिबार 68 से 130, पोनिया 55 से 85, टुकडी 32 से 65, शेला 36 से 38, परमल 35 से 44, तुवर दाल निमाडी 135 महाराष्ट्र 105 से 120, तुवर दाल 80 से 120, मूंगदाल 85 से 110, मोगर 95 से 120, उड़द मोगर 110 से 120, उडद दाल 95 से 100, मसूरदाल 75 से 78, चना दाल 72 से 80 ।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

12 अगस्त को होगा श्याम सावन झूला महोत्सव

शुजालपुर। श्रावण मास एवं हरियाली अमावस्या के उपलक्ष्य में श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट अकोदिया एवं महिला मंडल के तत्वावधान में श्री श्याम सावन झूला महोत्सव का आयोजन 12 अगस्त को शाम 5 बजे किया जाएगा। आयोजन को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष डॉ. सुशील कुमार गेहलोत ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से समय-समय पर सामाजिक, धार्मिक एवं रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। सावन माह के अवसर पर आयोजित महोत्सव में बाबा का फूलों से अलौकिक श्रृंगार किया जाएगा। इसके साथ ही 56 भोग अर्पित किया जाएगा। महिला मंडल की श्याम प्रेमियों द्वारा ऊ नमः शिवाय सामूहिक महामंत्र जाप के साथ ताली कीर्तन किया जाएगा। सावन के मधुर भजनों के माध्यम से बाबा का गुणगान किया जाएगा। कार्यक्रम के समापन के बाद मनोरंजन के लिए विभिन्न गेम्स भी आयोजित किए जाएंगे। डॉ. गेहलोत ने सभी श्याम प्रेमियों से सपरिवार आयोजन में शामिल होकर धर्मलाभ लेने का आग्रह किया है। आयोजन को लेकर ट्रस्ट एवं महिला मंडल द्वारा भव्य स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं।

अनियंत्रित होकर नाले में उतरी कार, जनहानि नहीं

शाजापुर। कार अनियंत्रित होकर नाली में उतर गई। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह शहर के वार्ड क्रमांक 28 काशीनगर में एक कार अचानक से अनियंत्रित होकर नाले में उतर गई। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नही हुई। मशक्कत के बाद कार को नाले से बाहर निकाला जा सका।

तिरंगा यात्रा को लेकर करणी सेना ने निकाली आव्हान रैली

शाजापुर। करणी सेना परिवार के प्रमुख ठाकुर जीवन सिंह शेरपुर के आगमन को लेकर 8 अगस्त शनिवार को प्रदेश संगठन मंत्री अजीत सिंह खड़ी डोडिया के नेतृत्व में करणी सेना परिवार के पदाधिकारीयो और कार्यकताओं द्वारा बाइक रैली निकाली गई। जिला अध्यक्ष सोनू बना ने बताया कि जिले की जनता को रैली में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया। साथ ही 9 अगस्त को निकलने वाली तिरंगा यात्रा में किसान भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहेगें।

दरगाह मेले से अपह्रत युवती को 24 घंटे में तलाशा

शुजालपुर। भीलखेड़ी के समीप शिवपुरा स्थित दरगाह मेले से युवती के अपहरण के मामले में शुजालपुर मंडी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर अपहृता को सकुशल दस्तयाब कर लिया। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त कार भी जब्त की है। 5 अगस्त को बेरछा निवासी सलमा बी पति फकरूद्दीन खां ने थाना शुजालपुर मंडी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि भीलखेड़ी रोड स्थित दरगाह मेले से अज्ञात व्यक्ति उसकी बेटी को अपने साथ ले गया है। पुलिस ने मामले में आशिक तथा बाबू खां निवासी सिंगार चोली जिला सीहोर, हाल नायता मुंडला, इंदौर एवं फारूख पिता एहसान पटेल निवासी नायता मुंडला थाना तेजाजी नगर इंदौर को गिरफ्तार किया गया। घटना में प्रयुक्त कार भी जब्त की गई है। प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई जारी है।

शुजालपुर में जिला स्तरीय एनएसएस अभिमुखीकरण कार्यक्रम

सेवा, अनुशासन और नेतृत्व की भावना विकसित करना एनएसएस का उद्देश्य

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

जवाहरलाल नेहरू स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शनिवार को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं ईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तरीय एक दिवसीय कार्यक्रम अधिकारी अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अटल भवन स्थित ईक्यूएसी कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में जिले की विभिन्न एनएसएस इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारियों को वार्षिक कार्ययोजना, स्वयंसेवक पंजीयन, माय भारत पोर्टल, वित्तीय प्रबंधन, विशेष शिविर और दस्तावेजीकरण सहित विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया। मुख्य अतिथि सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शेखर मैदमवार ने कहा कि एनएसएस का उद्देश्य केवल गतिविधियों का आयोजन करना नहीं, बल्कि युवाओं में सेवा, अनुशासन, नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना है। उन्होंने कार्यक्रम अधिकारियों से योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर अधिक से अधिक युवाओं को समाजसेवा और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने करते हुए कहा कि एनएसएस गतिविधियों को समाज से जोड़ने और विद्यार्थियों की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में सेवा और सामाजिक सरोकारों की भावना विकसित करने में एनएसएस महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एक समान थीम पर काम करने का आह्वान

जिला संगठक एनएसएस शाजापुर देवेंद्र कुम्भकार ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि जिले की सभी एनएसएस इकाइयां इस वर्ष एक समान थीम पर कार्य करें और गतिविधियों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण करें। फ ोटो, वीडियो, समाचार, उपस्थिति और गतिविधियों के परिणामों का रिकॉर्ड रखने पर जोर दिया। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाली एनएसएस इकाई को सम्मानित करने की बात कहते हुए टीम भावना के साथ कार्य कर शाजापुर जिले की एनएसएस गतिविधियों को प्रदेश स्तर पर पहचान दिलाने का आह्वान किया। इस अवसर पर समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. प्रवीणा धारीवाल, ईक्यूएसी सदस्य डॉ. आशीष यादव सहित जिले की विभिन्न एनएसएस इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयंसेवक मौजूद रहे। संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. आनंद कुमार अजनोदिया ने किया। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में प्रीतम सिंह परमार सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं एनएसएस स्वयंसेवकों का सहयोग रहा।

खेत का पानी निकालने के विवाद में हत्या के आपोपी

पिता-पुत्र को शुजालपुर न्याया-लय ने सुनाई उम्रकैद की सजा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

खेत से पानी निकालने की बात को लेकर हुए विवाद में मारपीट के दौरान घायल हुए व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत के मामले में प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश शुजालपुर ने दो आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने दोनों आरोपियों पर 3500-3500 रुपए का अर्थदंड भी लगाया।

अभियोजन के अनुसार ग्राम जाबडिया घरवास निवासी हरिराम पिता पर्वत सिंह ने कालापीपल पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया था कि 19 जुलाई 2023 की शाम करीब 4.30 बजे वह अपने पिता पर्वत सिंह के साथ जुना कुआं के पास था। इसी दौरान गांव के धर्मेंद्र पिता धारासिंह राजपूत और धारासिंह पिता तेजसिंह राजपूत वहां पहुंचे और खेत से पानी निकालने को लेकर विवाद करने लगे।

विवाद बढ़ने पर दोनों आरोपियों ने हरिराम के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। धर्मेंद्र ने डंडे से हरिराम के हाथ पर वार किया, जबकि धारासिंह ने उसके पिता पर्वत सिंह के सिर पर फ रसी से हमला कर दिया। घटना के बाद घायल पिता-पुत्र को उपचार के लिए कालापीपल अस्पताल ले जाया गया। पर्वत सिंह के सिर में गंभीर चोट होने के कारण उसका उपचार चला, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर विवेचना के बाद न्यायालय में चालान पेश किया। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश शुजालपुर ने साक्ष्यों के आधार पर आरोपी धर्मेंद्र और धारासिंह को भारतीय दंड संहिता की धारा 302, 323 एवं 34 के तहत दोषी माना। न्यायालय ने दोनों को आजीवन कारावास एवं 3500-3500 रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी अतिरिक्त लोक अभियोजक शुजालपुर विद्याधर सोनानिया ने की।

स्थानीय वाहनों से टोल वसूली का विरोध

18 अगस्त को टोल प्लाजा पर प्रदर्शन कर करेंगे चक्काजाम

दैनिक अवन्तिका ▸▸ खातेगांव

खातेगांव में स्थानीय वाहनों से टोल वसूली के विरोध में शनिवार देर शाम एक जनबैठक आयोजित की गई। सुषमा स्वराज स्टेडियम में हुई इस बैठक में करीब 200 प्रबुद्धजनों ने टोल टैक्स के खिलाफ कड़ा विरोध जताया। बैठक में 18 अगस्त को टोल प्लाजा पर बड़े प्रदर्शन और चक्काजाम का निर्णय लिया गया।

बैठक में 20 से अधिक वक्ताओं ने अपने विचार रखे। सभी ने इस बात पर सहमति जताई कि स्थानीय वाहनों से टोल वसूलना जनता पर सीधा आर्थिक बोझ है। लोगों को रोजाना काम के सिलसिले में खातेगांव-कन्नौद के बीच आना-जाना पड़ता है, जिससे उन पर अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ता है।

इस विरोध प्रदर्शन को पूरी तरह से गैर-राजनीतिक रखने का फैसला किया गया है। इसका

उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि समाज का हर वर्ग बिना किसी राजनीतिक जुड़ाव के इस आंदोलन में खुलकर शामिल हो सके।

निर्णय के अनुसार, आगामी मंगलवार, 18 अगस्त को टोल प्लाजा पर एक बड़ा विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। इस दौरान चक्काजाम भी किया जाएगा, जिससे स्थानीय प्रशासन पर दबाव बनाया जा सके।

बैठक में जनप्रतिनिधि, डॉक्टर्स, एडवोकेट, मीडियाकर्मी, व्यवसायी, विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी, पार्षद, पार्षद प्रतिनिधि, एल्डरमैन और स्वयंसेवी संस्थाओं के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

विश्व आदिवासी दिवस पर निकली सांस्कृतिक महारैली

पगड़ी, साफा और पारंपरिक आभूषणों से सजे बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर देवास में जिला स्तरीय आदिवासी सांस्कृतिक महारैली निकाली गई। रैली में बच्चे, युवा और बुजुर्ग पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। पुरुषों ने पगड़ी और साफा पहना था, जबकि महिलाएं पारंपरिक आभूषणों और रंग-बिरंगे परिधानों में नजर आईं। रैली के दौरान देवास की सड़कों पर आदिवासी संस्कृति की झलक दिखाई दी।

दोपहर में भोपाल रोड स्थित एक गार्डन में बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग एकत्र हुए। यहां पूजन-अर्चन के बाद महारैली की शुरूआत हुई। रैली में शामिल होने के लिए समाजजन पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे थे। बच्चों ने भी अपनी संस्कृति के अनुसार वेशभूषा पहनकर उत्साह के साथ हिस्सा लिया।

महारैली में डीजे की धुन के साथ पारंपरिक नृत्य भी आकर्षण का केंद्र रहा। बड़ी संख्या में युवा डीजे की धुन पर थिरकते नजर आए। कई लोग अपनी पारंपरिक शैली में नृत्य करते हुए आगे बढ़ रहे थे। ढोल की थाप और डीजे की धुन से रैली का माहौल उत्सव जैसा हो गया।

महारैली भोपाल रोड से होते हुए नर दरवाजा क्षेत्र सहित शहर के अलग-अलग मार्गों से गुजरी। करीब दो घंटे तक शहर की सड़कों पर आदिवासी संस्कृति की झलक दिखाई देती रही। रैली में हर उम्र के लोगों का उत्साह नजर आया। विश्व आदिवासी दिवस पर निकली यह महारैली आदिवासी समाज की पहचान, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को सामने लाने का अवसर बनी।

एक रैली में दिखी तीन पीढ़ियों की भागीदारी

रैली में बुजुर्ग, युवा और बच्चे एक साथ अपनी संस्कृति के साथ चलते नजर आए। बुजुर्ग पारंपरिक वेशभूषा में थे। युवा उत्साह के साथ रैली में आगे बढ़ रहे थे। बच्चे भी उसी संस्कृति को अपनाकर रैली का हिस्सा बने।

पैरों में बंधे घुंघरू, कांवड़ में भी छनकती भक्ति

दर्द के बावजूद नहीं रुकी भोले की भक्ति धाराजी से देवास पहुंची बोल बम कांवड़ यात्रा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

धाराजी से निकली बोल-बम कांवड़ यात्रा देवास पहुंची। इस यात्रा में श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच भक्ति का एक अनोखा रूप देखने को मिला, जहां कई कांवड़ यात्री अपने पैरों और कांवड़ों में घुंघरू बांधकर चल रहे थे। उनके हर कदम के साथ घुंघरुओं की आवाज वातावरण में गूंज रही थी।

इस यात्रा की एक खास बात यह थी कि कुछ कांवड़ यात्रियों के पैरों में चोट या दर्द के कारण पट्टियां बंधी हुई थीं। इसके बावजूद उन्होंने अपने पैरों से घुंघरू नहीं उतारे और उसी उत्साह के साथ कांवड़ लेकर आगे बढ़ते रहे। यह उनके लिए भगवान भोलेनाथ के प्रति गहरी आस्था और समर्पण का प्रतीक था।

मानसा निवासी कांवड़ यात्री अभिनंदन ने इस बारे में बताया। उनके अनुसार, पैरों में घुंघरू बांधकर यात्रा करना भोलेनाथ की भक्ति का एक स्वरूप है। चलते समय घुंघरुओं की लगातार आवाज मन को एकाग्र रखती है और यात्रा के दौरान ध्यान भटकने नहीं देती। कांवड़ में भी घुंघरू बांधने का उद्देश्य इसी भक्ति भाव को बनाए रखना है।

अभिनंदन ने यह भी बताया कि लंबी यात्रा के कारण पैरों में दर्द और थकान होना स्वाभाविक है। कई बार उन्हें पैरों में पट्टी भी बांधनी पड़ती है, लेकिन उनकी आस्था के सामने शारीरिक दर्द गौण हो जाता है। उनके लिए घुंघरू इस यात्रा की पहचान बन गए हैं, इसलिए दर्द होने पर भी वे उन्हें उतारना नहीं चाहते।

धाराजी से देवास तक की इस यात्रा में बड़ी संख्या में कांवड़ यात्री शामिल हुए। कुछ यात्री अपनी कांवड़ों को आकर्षक ढंग से सजाकर चल रहे थे, तो कुछ पूरे रास्ते बोल-बम और हर-हर महादेव के जयघोष करते हुए आगे बढ़ रहे थे। घुंघरुओं की छनक ने इस भक्तिमय माहौल को और भी विशेष बना दिया। पैरों में बंधे घुंघरू और कांवड़ों से आती झंकार के बीच, श्रद्धालुओं के कदम बिना रुके लगातार अपनी मंजिल की ओर बढ़ते रहे, जो उनकी अटूट श्रद्धा को दर्शाता है।

हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजा शाजापुर

बाबा महाकाल की नगरी के लिए रवाना हुई श्री शिवाय कावड़ यात्रा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

सावन माह में शिव आराधना के उत्साह और बम-बम भोले के गूंजते जयकारों के बीच शहर की सड़कें पूरी तरह शिवभक्ति के रंग में रंगी नजर आईं। शनिवार सुबह करीब 11 बजे जिला मुख्यालय से श्री शिवाय कावड़ यात्रा पूरे गाजे-बाजे और असीम भक्तिभाव के साथ बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन के लिए रवाना हुई। इस दौरान कावड़ियों के भारी जोश और उत्साह ने पूरे शहर का माहौल शिवमय कर दिया।

श्री शिवाय कांवड़ यात्रा के संस्थापक जतिन सोनी ने बताया कि युवाओं और शिवभक्तों द्वारा निकाली जा रही भव्य यात्रा का यह लगातार तीसरा वर्ष है। यात्रा का मुख्य उद्देश्य प्रदेश और देश में अमन-चैन, शांति और सद्भाव की कामना करना है। उन्होंने बताया कि

इस यात्रा का आरंभ मंगलनाथ मंदिर में भगवान महादेव के जलाभिषेक के संकल्प के साथ किया गया है। आयोजक मंडल के अनुसार पैदल चलते हुए यह यात्रा उज्जैन पहुंचेगी जहां 9 अगस्त की शाम कावड़ यात्रियों के लिए विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें शिव भजनों की प्रस्तुति होगी। वहीं 10 अगस्त सावन के सोमवार के विशेष दिन सभी कांवड़ यात्री पवित्र जल लेकर श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचेंगे और बाबा महाकाल का जलाभिषेक कर देश-प्रदेश के कल्याण की प्रार्थना करेंगे।

डमरू की गूंज और ढोल की थाप पर थिरके शिवभक्त

यात्रा जैसे ही शहर के मुख्य मार्गों से गुजरी, शिवभक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। कांवड़िए हाथों में डमरू लिए और डीजे व ढोल-नगाड़ों की थाप पर झूमते-नाचते हुए आगे बढ़ रहे थे। यात्रा में शामिल घोड़ियां भी राहगीरों के आकर्षण का मुख्य केंद्र रहीं। शहर के विभिन्न चौराहों और यात्रा मार्ग पर सामाजिक संगठनों, कार्यकताओं व गणमान्य नागरिकों ने जगह-जगह मंच लगाकर कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की और यात्रा का पूरे सम्मान के साथ स्वागत किया।

बगलामुखी माता मंदिर में दर्शनों हेतु उमड़े भक्त

आगर मालवा। रविवार को अवकाश के चलते प्रसिद्ध पीतांबरा माता मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में भक्त माता के दर्शन के लिए कतारों में खड़े नजर आए। हर कोई माता की एक झलक पाने को आतुर था। रविवार को पीतांबरा माता बगलामुखी का विशेष पीले रंग का श्रृंगार किया गया। माता को पीले रंग की चुनरी ओढ़ाई गई और पीले पुष्पों व अन्य पीली वस्तुओं से मनमोहक श्रृंगार किया गया। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पीला रंग माता को अत्यंत प्रिय माना जाता है।

पति के ब्रेन डेड होने पर पत्नी ने लिया अंगदान का संकल्प

कैलाश पाठक के अंगदान से एक मरीज को किडनी और दो लोगों को मिलेगी आंखों की रोशनी

शुजालपुर। सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल शुजालपुर निवासी पंचायत सचिव कैलाश नारायण पाठक 55 वर्ष के ब्रेन डेड घोषित होने के बाद उनके परिवार ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए अंगदान का निर्णय लिया। कैलाश के अंगदान से एक मरीज को किडनी और दो जरूरतमंदों को नेत्रदान का लाभ मिलेगा। 4 अगस्त को आगर मालवा जिले के डग-बड़ौद मार्ग पर खंडवास गांव के पास कैलाश की बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। सिर में गंभीर चोट लगने के बाद उन्हें उज्जैन ले जाया गया। हालत में सुधार नहीं होने पर परिजन इंदौर के निजी अस्पताल पहुंचे, जहां 7 अगस्त को उन्हें ब्रेन डेड घोषित किया गया। ब्रेन डेड की सूचना के बाद इंदौर के मुस्कान ग्रुप सदस्यों ने परिजन की काउंसलिंग की। परिवार की सहमति के बाद पत्नी मनोरमा पाठक ने स्वयं भी जीवन के बाद अंगदान करने की इच्छा जताई और पहले अपना अंगदान संकल्प पत्र भरा। इसके बाद उन्होंने पति कैलाश के अंगदान के लिए भी सहमति दी। परिवार की ओर से बड़ी बेटी प्रतिमा, छोटी बेटी डॉ. पूजा पाठक और बेटे शुभम ने भी अंगदान के निर्णय पर सहमति जताई। परिवार के इस फैसले से जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन और रोशनी मिलने की उम्मीद है।

मौसम में ठंडक घुली, फसलों और लोगों को मिली राहत

सारंगपुर। सारंगपुर एवं आसपास के क्षेत्र में रविवार अल सुबह अचानक मौसम बदल गया। करीब एक घंटे तक रिमझिम बारिश हुई, उसके बाद दिन में रूक-रूक कर रिमझिम होती रही। जिससे शहर और आसपास के इलाकों में ठंडक घुल गई। कुछ क्षेत्रों में तेज बारिश भी दर्ज की गई। इस बारिश से उमस और गर्मी से परेशान लोगों को काफी राहत मिली। पिछले लगभग 15 दिनों से क्षेत्र में मौसम का मिजाज अस्थिर बना हुआ था। कभी आसमान में बादल छा जाते तो कभी तेज धूप निकल आती, जिससे लोगों को लगातार उमस और गर्मी का सामना करना पड रहा था। इस अनिश्चित मौसम से किसानों की चिंताएं भी बढ गई थीं। कई किसान अपनी फसलों में कीटनाशक और अन्य दवाइयों का छिडकाव कर चुके थे। उन्हें आशंका थी कि बारिश होने पर इन दवाओं का असर कम हो सकता है। रविवार की रिमझिम बारिश से किसानों को भी राहत मिली। हालांकि बारिश की मात्रा कम रही, लेकिन मौसम में आए इस बदलाव से फसलों को लाभ होने की उम्मीद है। किसानों का कहना है कि इस समय खडी फसलों के लिए समय-समय पर बारिश और अनुकूल मौसम बेहद आवश्यक है। तापमान में गिरावट आने से फसलों को और राहत मिलने की संभावना है।

40वें के अवसर पर लीमाचौहान में निकला ताजियों का जुलूस

सारंगपुर। कस्बे में हजरत इमाम हुसैन और उनके वफादार साथियों की शहादत की याद में मनाया जाने वाला चेहल्लुम (40वां) का पर्व अकीदत और एहतराम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कस्बे में ताजियों का भव्य जुलूस निकाला गया, जिसमें बडी संख्या में मुस्लिम समाजजन और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। 40वें के मौके पर परंपरा अनुसार खूबसूरत और आकर्षक ताजियों का निर्माण किया गया। जुलूस की शुरूआत निर्धारित स्थलों से हुई, जिसके बाद ताजिए कस्बे के प्रमुख मार्गों और चौराहों से होते हुए अपने निर्धारित मार्ग से गुजरे। जुलूस के दौरान इमाम हुसैन की कुबार्नी को याद करते हुए नारे लगाए गए। जुलूस में शामिल समाजजन और युवाओं ने पूरी अकीदत के साथ हिस्सा लिया। जगह-जगह ताजियों की जियारत की गई और देश व दुनिया में अमन-चैन तथा शांति की दुआएं मांगी गईं। कस्बे के नागरिकों ने आपसी भाईचारे और सौहार्द की मिसाल पेश करते हुए जुलूस का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय पुलिस प्रशासन थाना प्रभारी गोविंद मीणा के निर्देशन में पूरी तरह मुस्तैद रहा।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि विक्रेता प्रणय पिता महेन्द्र दत्त एवं पीयूष पिता महेन्द्र दत्त तथा मनोरमा पति महेन्द्र दत्त जाति ब्राह्मण उज्जैन म.प्र एवं कृषक ग्राम नलवा तहसील एवं जिला उज्जैन (मध्यप्रदेश) के स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे नं. 8/2/2/2 रकबा 0.22 हेक्टेयर भूमि, इस प्रकार कुल सर्वे नं. 01 कुल रकबा 0.22 हेक्टेयर कृषि भूमि राजस्व रेकॉर्ड में मालिक नाते दर्ज है। उपरोक्त भूमि को विक्रय करने का करार विक्रेता ने मेरे पक्षकार से विक्रय अनुबंध पत्र गवाहों के समक्ष संपादित किया है, निकट भविष्य मे उपरोक्त वर्णित भूमि का विक्रय पत्र मेरे पक्षकार अपने हित मे संपादित करवाने जा रहे है। उपरोक्त वर्णित कृषि भूमि के संबंध में किसी प्रकार का ऋण भार बोझ किसी व्यक्ति, वित्तीय संस्था अथवा शासन का उक्त भूमि पर बकाया हो तथा किसी प्रकार की हक्क स्वत्व, कब्जे संबन्धित किसी प्रकार की कोई भी आपत्ति हो तो इस जाहिर सूचना के प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस की अवधि मे मेरे कार्यालय मे कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर मय प्रमाण के अपनी आपत्ति दर्ज करावे । यह सूचित हो।

प्रवेश जोशी एडव्होकेट
मोबा. 9424879582
कार्यालय- कोर्ट परिसर के सामने तराना जिला उज्जैन म.प्र.

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि विक्रेता प्रवेश पिता अनिल जोशी जाति ब्राह्मण निवासी तराना जिला उज्जैन म.प्र एवं संजय पुरोहित पिता मदनलाल पुरोहित जाति ब्राह्मण निवासी सन्त कबीर नगर उज्जैन, जिला उज्जैन म.प्र एवं कृषक ग्राम रलायती तहसील घटिया जिला उज्जैन (मध्यप्रदेश) के स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे नं. 625/4/1 रकबा 0.32 हेक्टेयर भूमि तथा कृषि भूमि सर्वे नं. 626 रकबा 0.28 हेक्टेयर भूमि, इस प्रकार कुल सर्वे नं. 02 कुल रकबा 0.60 हेक्टेयर कृषि भूमि राजस्व रेकॉर्ड में मालिक नाते दर्ज है। उपरोक्त भूमि को विक्रय करने का करार विक्रेता ने मेरे पक्षकार से विक्रय अनुबंध पत्र गवाहों के समक्ष संपादित किया है, निकट भविष्य मे उपरोक्त वर्णित भूमि का विक्रय पत्र मेरे पक्षकार अपने हित मे संपादित करवाने जा रहे है। उपरोक्त वर्णित कृषि भूमि के संबंध में किसी प्रकार का ऋण भार बोझ किसी व्यक्ति, वित्तीय संस्था अथवा शासन का उक्त भूमि पर बकाया हो तथा किसी प्रकार की हक्क स्वत्व, कब्जे संबन्धित किसी प्रकार की कोई भी आपत्ति हो तो इस जाहीर सूचना के प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस की अवधि में मेरे कार्यालय में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर मय प्रमाण के अपनी आपत्ति दर्ज करावे। यह सूचित हो।

प्रवेश जोशी एडव्होकेट
मोबा. 9424879582
कार्यालय- कोर्ट परिसर के सामने तराना जिला उज्जैन म.प्र.

15 अगस्त की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

सुसनेर। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को लेकर शनिवार को जनपद पंचायत के सभा कक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों, कार्यक्रम की व्यवस्थाओं एवं आयोजन को लेकर आवश्यक चर्चा की गई। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यक्रम से संबंधित जिम्मेदारियां सौंपने तथा व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने को लेकर निर्देश दिए गए। बैठक में तहसीलदार भवरसिंह चौहान, थाना प्रभारी अनिल मालवीय, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मुकेश तिवारी एवं पटवारी मोहित नागर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

12 को नारायणाधाम से स्वर्णगिरी पर्वत परिक्रमा यात्रा

महिदपुर। हरियाली अमावस्या के अवसर पर 12 अगस्त 2026, बुधवार को नारायणा धाम से सम्पूर्ण स्वर्णगिरी पर्वत परिक्रमा यात्रा निकाली जाएगी। प्रातः 9 बजे शुरू होने वाली 16 किलोमीटर लंबी यात्रा पार्वती धाम पहुंचेगी, जहां जलाभिषेक एवं पौधारोपण किया जाएगा। यात्रा नारायणा धाम से चौकी, महूखेड़ा, तुलसापुर, बागला, वरखेड़ा बुजुर्ग, कुकलखेड़ा, बालोदा और शेरपुर-चौपाटी होते हुए वापस नारायणा धाम पहुंचेगी। यात्रा के समापन पर आरती एवं प्रभु प्रसादी का वितरण होगा। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से यात्रा में शामिल होने का आग्रह किया है।

भाजपा की बैठक में नव नियुक्त एल्डरमेन का स्वागत

महिदपुर। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल की मासिक बैठक सिविल अस्पताल रोड स्थित रेस्ट हाउस पर आयोजित हुई। बैठक में आगामी कार्यक्रमों को लेकर सभी कार्यकर्ताओं को जानकारी दी गई। साथ ही शहर में तिरंगा यात्रा निकालने को लेकर चर्चा की गई। बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री पारस चंद्र जैन के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान नव नियुक्त एल्डरमैन का स्वागत भी किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राज्यपाल थावरचंद गेहलोत का देवास में किया स्वागत

टोंक खुर्द। कर्नाटक प्रदेश के राज्यपाल थावरचंद गेहलोत का देवास आगमन पर भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष नंदकिशोर पाटीदार, सभापति रवि जैन, टोंक खुर्द नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष उमेश श्रीवास्तव, टोंक खुर्द भाजपा नगर मंडल मंत्री लाखन सिंह गालोदिया,पूर्व सरपंच गोपाल सिंह सेंधव, पूर्व सरपंच राजेश कन्हैरिया आदि जन प्रतिनिधियों गुलदस्ता स्वागत किया एवं देवास जिले के विकास के बारे में विस्तार से चर्चा की।

श्रीमती भंवर बाई पटेल का निधन, नगर में छाई शोक

मक्सी। वरिष्ठ समाजसेवी

कार्यकर्ता एवं पूर्व पत्रकार साथी रामेंद्र सिंह पटेल एवं कमल सिंह पटेल की पूज्य माताजी श्रीमती भंवर बाई पटेल का निधन हो गया। वे काफी समय से अस्वस्थ चल रही थीं। उनके निधन की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। श्रीमती भंवर बाई पटेल की अंतिम यात्रा उनके निज निवास स्थान कालाभाटा से प्रारंभ हुई, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई मुक्तिधाम पहुंची। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में सामाजिक, राजनीतिक एवं गणमान्य नागरिकों के साथ पत्रकार साथी भी शामिल हुए। श्रीमती भंवर बाई पटेल स्वर्गीय श्री बापूसिंह पटेल, देवधर्मराजपुरा-देरावालों की धर्मपत्नी थीं।

गणवेश, कक्षा कक्ष, बस्ता सजाओ प्रतियोगिता 8

सारंगपुर। ग्राम भारती शिक्षा समिति द्वारा संचालित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर भैंसवामाता में गणवेश कक्षा कक्ष ओर बस्ता सजाओ प्रतियोगिता संपन्ना हुई जिसमें पवन चौधरी शा.शिक्षक जिला समिति सदस्य, दयाशंकर कल्मोदिया शा.शिक्षक विद्यालय प्रभारी दिनेश बैरागी समिति सदस्य, प्रधानाचार्य नरेंद्र सिंह उमठ के द्वारा मां सरस्वती सम्मुख दीप प्रज्वलित किया गया।

सब्जी मंडी व्यवस्थित, फल विक्रेताओं की मनमानी से बढ़ी परेशानी

बीच सड़क पर लग रहे फल विक्रय के ठेले फिर बिगड़ने लगी नगर की यातायात व्यवस्था

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

नगर में वर्षों से चली आ रही अव्यवस्थित सब्जी मंडी की समस्या के स्थायी समाधान के लिए नगर परिषद द्वारा टिन शेड सब्जी मंडी का निर्माण कराया गया था। 11 अप्रैल 2026 को इसका शुभारंभ होने के बाद 65 दुकानों का आवंटन किया गया और हाथ ठेला व्यापारियों के लिए भी अलग स्थान निर्धारित किया गया। शुरूआत में नई व्यवस्था सफल होती दिखाई दी।

मुख्य मार्ग पर लगने वाली सब्जी मंडी हटने से यातायात व्यवस्था में सुधार हुआ और आम नागरिकों के साथ व्यापारियों ने भी राहत महसूस की। लेकिन कुछ महीनों बाद अब व्यवस्था फिर से प्रभावित होने लगी है। वर्तमान में अधिकांश सब्जी विक्रेता टिन शेड मंडी के भीतर निर्धारित स्थान पर बैठकर अपना व्यापार कर रहे हैं। मंडी परिसर में पर्याप्त जगह, रोशनी, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होने के कारण सब्जी व्यापारियों को किसी प्रकार की विशेष परेशानी नहीं है। इसके बावजूद कुछ फल विक्रेता निर्धारित स्थान छोड़कर मुख्य सड़क और बीच मार्ग तक ठेले लगाकर व्यापार कर रहे हैं। इससे सड़क की चौड़ाई कम हो रही है और दिनभर यातायात प्रभावित हो रहा है। नगरवासियों का कहना है कि सुबह और शाम के समय बाजार में सबसे अधिक भीड़ रहती है। इसी दौरान सड़क पर खड़े फलों के ठेलों के कारण दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही बाधित होती है। कई बार वाहन चालकों को जाम का सामना करना पड़ता है जबकि पैदल चलने वाले लोगों को भी सड़क के बीच से निकलना पड़ता है।

लोगों का कहना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो कभी भी कोई बड़ा सड़क हादसा हो सकता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि टिन शेड मंडी बनाने का उद्देश्य ही यही था कि सड़क पर लगने वाले ठेलों और अव्यवस्थित बाजार से लोगों को राहत मिले।

नगर परिषद ने व्यापारियों के लिए व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराया है, इसलिए सभी विक्रेताओं को उसी स्थान पर व्यापार करना चाहिए। कुछ फल विक्रेताओं द्वारा सड़क पर बैठने से पूरी व्यवस्था प्रभावित हो रही है और अन्य व्यापारियों के साथ भी असमानता की स्थिति बन रही है। पूर्व में नगर परिषद और पुलिस प्रशासन ने कई बार संयुक्त कार्रवाई करते हुए सड़क पर लगने वाले ठेलों को हटाया था। व्यापारियों को समझाइश देकर निर्धारित स्थान पर व्यवसाय करने के निर्देश भी दिए गए थे।

कार्रवाई के बाद कुछ समय तक व्यवस्था बनी रही लेकिन अब फिर से कुछ फल विक्रेता सड़क तक पहुंच गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि केवल एक-दो दिन की कार्रवाई से समाधान नहीं होगा, बल्कि नियमित निगरानी और सख्ती जरूरी है। इधर नगर का व्यस्त डाक बंगला चौराहा भी एक बार फिर अतिक्रमण की समस्या से जूझ रहा है। कुछ समय पहले इसी चौराहे पर बस और बाइक की टक्कर के बाद प्रशासन ने सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाया था। कुछ दिनों तक स्थिति सामान्य रही, लेकिन अब फिर कुछ दुकानदारों और विक्रेताओं ने सड़क तक सामान फैलाना शुरू कर दिया है।

इनका कहना

मामला मेरे संज्ञान में आया है। मैं कर्मचारी को मौके पर भेजकर स्थिति की जांच करवाता हूं। यदि सड़क पर अतिक्रमण या यातायात बाधित होने जैसी स्थिति पाई जाती है तो नियमानुसार कार्रवाई कर व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

हरिओम शर्मा
सीएमओ, नगर परिषद

मालवीय ने डॉ. अंबेडकर मांगलिक भवन परिसर में किया पौधारोपण

दैनिक अवन्तिका ▸▸ महिदपुर

बिरसा अंबेडकर फूले समाज कल्याण समिति महिदपुर का पौधारोपण कार्यक्रम बतौर मुख्य अतिथि रामलाल मालवीय मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति आयोग सदस्य एवं पूर्व विधायक बहादुरसिंह चौहान के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ।

प्रथम बार महिदपुर आगमन पर विश्व रत्न डॉक्टर बी आर अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर ढोल ढमाकों के साथ पुष्प पंखुड़ियां से स्वागत किया गया तत्पश्चात डॉक्टर अंबेडकर मांगलिक भवन पहुंचकर अतिथियों द्वारा पुष्पमाला पहनाकर महापुरुषों को प्रणाम किया। तत्पश्चात बाप समिति के अध्यक्ष दिनेश चैहान और उपाध्यक्ष विक्रमसिंह सोलंकी, पार्षद जगदीश राठौर द्वारा अतिथिगण का स्वागत सम्मान किया गया।

इसी अनुक्रम में समिति सहसचिव अनिल दावरे द्वारा पूर्व विधायक बहादुरसिंह चैहान का सम्मान किया। सामाजिक संगठनों के पदाधिकारीयों के साथ बैठक हुई जिसमें अनुसूचित जाति वर्ग के साथ वर्तमान में हो रही जघन्य घटनाओं और एट्रिसिटी एक्ट में पुलिस एफआईआर के बाद सरकार से मिलने वाली राहत राशि में देरी, प्रधानमंत्री आवास योजना में पात्र हितग्रहियों की अनदेखी आदि विषयों पर संगठनों ने बताया जिस पर आयोग सदस्य रामलाल मालवीय द्वारा आश्वस्त किया गया कि आयोग पूर्व की भांति निष्क्रिय नहीं है अब पूरे मध्य प्रदेश में अनुसूचित जाति वर्ग के हित में सक्रियता से कार्य कर रहा है। परिसंघ के महासचिव जे के मालवीय द्वारा अपनें विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के दबे कुचले अति पिछंडे हुए अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग की महिलाओं पर अपराध को रोकने के लिए शासन द्वारा कड़े कदम उठाए जाए और शोषित महिलाओं को तुरन्त न्याय मिले और शासन द्वारा निर्धारित राशि का उनके परिवारजन को सही समय पर लाभ मिल जाए।

भाजपा मंडल की संगठनात्मक बैठक संपन्न

तिरंगा यात्रा, संत रविदास जयंती को लेकर बनी रणनीति

दैनिक अवन्तिका ▸▸ मक्सी

स्थानीय पाटीदार धर्मशाला में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मक्सी मंडल की एक महत्वपूर्ण व आवश्यक नियमित संगठनात्मक बैठक शुक्रवार को सफलतापूर्वक आयोजित की गई। बैठक में संगठन को मजबूती देने के साथ-साथ आगामी अभियानों एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई।

बैठक के मुख्य अतिथि भाजपा जिला मंत्री एवं मक्सी मंडल प्रभारी उमेश टेलर रहे, जबकि अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष गोविंद पटेल (गोलू) ने की। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में राधेश्याम जाट (जिला अध्यक्ष, किसान मोर्चा) भूपेंद्र मेढा (जिला अध्यक्ष, अनुसूचित जनजाति मोर्चा) श्रीमती पुष्पा भावसार (जिला महामंत्री, महिला मोर्चा)

बैठक को संबोधित करते हुए मंडल प्रभारी उमेश टेलर ने कार्यकर्ताओं से आगामी तिरंगा यात्रा की तैयारियों में अभी से जुटने की अपील की। उन्होंने कहा कि मक्सी में निकलने वाली तिरंगा यात्रा भव्य और ऐतिहासिक होनी चाहिए।

टेलर ने संत शिरोमणि श्री रविदास जी की 650वीं जन्म जयंती के अवसर पर चलाए जा रहे 'समरसता अभियान' की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गत 29 जुलाई (गुरु पूर्णिमा) से शुरू हुआ यह अभियान आगामी 20 फरवरी जयंती तक जारी रहेगा। मंडल प्रभारी ने निर्देश दिए कि इस अवधि के दौरान पार्टी द्वारा निर्धारित सभी कार्यक्रमों की समयबद्ध रूपरेखा तैयार की जाए।

नम्बर प्लेट पर नम्बर डलवाकर की गई चालानी कार्यवाही

वाहन चैकिंग के दौरान पकड़े बिना नम्बर के 03 वाहन, नम्बर की जगह लिखी थी जाति

दैनिक अवन्तिका ▸▸ महिदपुर

पुलिस द्वारा वाहन चैकिंग के दौरान बिना नम्बर के वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया, जिस पर अति.पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) करणदीप सिह (भापुसे), एसडीओपी जेंडेन लिंगजेरपा (भापुसे) के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अशोक पाटीदार व पुलिस टीम महिदपुर द्वारा वाहन चैकिंग के दौरान बिना नम्बर प्लेट वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गई और नम्बर डलवाये गए ।

थाना महिदपुर पुलिस टीम द्वारा वाहन चैकिंग के दौरान तीन वाहन चालक जिन्होने नम्बर प्लेट पर नम्बर की जगह जनता में रौब दिखाने के उद्देश्य से अपनी जाति लिखी गई थी ।

श्री बोल बम कावड़ यात्रा धूमधाम से निकली

महिदपुर। श्री बोल बम कावड़ यात्रा के 33वें वर्ष का शुभारंभ शनिवार को श्री त्रिभुवननाथ शिव मंदिर में अभिषेक, पूजन एवं ध्वज पूजन के साथ हुआ। महिदपुर रोड से महाकाल तक निकलने वाली यात्रा का नगर में जगह-जगह पुष्पमालाओं, केसरिया दुपट्टे एवं फलों से भव्य स्वागत किया गया। कावड़ यात्रियों के हर-हर महादेव और जय महाकाल के जयघोष से पूरा नगर भक्तिमय हो गया। यात्रा का रात्रि विश्राम बिनपुरा रोड स्थित राजपूत बोर्डिंग धर्मशाला में हुआ। रविवार को यात्रा उज्जैन के लिए रवाना हुई और 11 अगस्त को बाबा महाकाल का जलाभिषेक कर यात्रा का समापन होगा।

एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

भारतीय किसान संघ ने दी फसल बीमा राशि न मिलने पर आंदोलन की चेतावनी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बड़नगर

भारतीय किसान संघ बड़नगर तहसील इकाई ने खरीफ 2025 की सोयाबीन फसल के मुआवजे और किसानों की अन्य समस्याओं को लेकर अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) को एक ज्ञापन सौंपा है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि बड़नगर तहसील के वंचित गांवों के किसानों को जल्द बीमा राशि नहीं दी गई, तो जिला स्तर पर एक उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी बड़नगर प्रशासन की होगी।

ज्ञापन में बताया गया कि गांवों में खरीफ 2025 की सोयाबीन फसल खराब होने पर प्रशासन की टीम गठित कर सर्वे करवाया गया था। इस रिपोर्ट के आधार पर जिले में बीमा राशि प्राप्त हुई, लेकिन बड़नगर तहसील के कई भारी नुकसान वाले गांवों को बीमा राशि से वंचित कर दिया गया। संघ ने मांग की है कि इन गांवों में तुरंत बीमा राशि दी जाए। इसके साथ ही, बीमा सर्वे के लिए वर्तमान में जिस सैटेलाइट पद्धति का पालन किया जा रहा है, उस पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की मांग की गई है। किसानों की सुविधा के लिए यह भी मांग रखी गई है कि तहसील स्तर पर बीमा कंपनी का कार्यालय खोला जाए, जिसमें प्रधानमंत्री फसल बीमा की जानकारी देने वाला एक पदाधिकारी अनिवार्य रूप से पदस्थ हो। ज्ञापन सौंपने के दौरान भारतीय किसान संघ के तहसील अध्यक्ष महेश जादव, मंत्री मनीष पंड्या, सावन सिंह पवार, बालकृष्ण जोशी, प्रवीण ठक्कर सहित तहसील कार्यकारिणी के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान बंधु उपस्थित थे।

मप्र जन अभियान परिषद का प्रस्फुटन शक्ति संचय कार्यक्रम संपन्न

कार्यकर्ताओं का योगदान राष्ट्र को परम वैभव पर पहुंचाएगा- विधायक पंड्या

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बड़नगर

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप मप्र जन अभियान परिषद गांव गांव में युवाओं की टोली के साथ मिलकर विभिन्न आयामों पर उल्लेखनीय कार्य कर रही है। राष्ट्र निर्माण में ऐसे समर्पित कार्यकर्ताओं का योगदान निश्चित ही राष्ट्र को परम वैभव पर पहुंचाएगा। यह कार्यक्रम समाज के विभिन्न वर्गों को एकजुट कर जनभागीदारी, सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में सामूहिक प्रयासों को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

उपरोक्त विचार मप्र जन अभियान परिषद के संवाद कार्यक्रम अंतर्गत प्रस्फुटन शक्ति संचय कार्यक्रम मासिक बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक जितेंद्र उदयसिंह पंड्या ने व्यक्त किए। आपने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हरियाली, जल संरक्षण, शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसे विषयों पर कार्य करते हुए सभी के योगदान से हमारा राष्ट्र उन्नत एवं विकसित हो, परिषद इन सभी बिंदुओं पर निरंतर कार्य कर रही है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परिषद के जिला समन्वयक श्री जय दीक्षित ने परिषद के विभिन्न आयामो एवं अभियानों पर विस्तार से चर्चा की, जैसे नवांकुर सखी, हरियाली सप्ताह, एक पेड़ मां के नाम, तिरंगा यात्रा, स्वैच्छिकता पखवाड़ा एवम मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम कक्षाओं के लिए प्रवेश आदि पर उपस्थित प्रतिभागियों से व्यापक चर्चा कर उनका उत्साहवर्धन किया। शक्ति संचय कार्यक्रम में उपस्थित नामांकित संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अपने गांवो में किए गए कार्यों से सभी को अवगत करवाया। कार्यक्रम के प्रारंभ में ढोल धमाकों की गूंज के साथ पुष्पवर्षा कर विधायक का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

कार्यक्रम की भूमिका पर विकासखंड समन्वयक रेणुका श्रोत्रिय ने प्रकाश डाला। इस अवसर पर हरियाली महोत्सव के अंतर्गत 10 पौधों का रोपण विधायक पंड्या द्वारा किया गया।

विधिक साक्षरता शिविर एवं पदग्रहण समारोह

खाचरोद। विद्यालय परिसर में छात्र परिषद के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों के सम्मान में शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रथम जिला न्यायाधीश नीतूकांता वर्मा, विशिष्ट अतिथि शेफाली सिंह न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, निर्मला पटेल न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय श्रेणी खाचरौद, अधिवक्ता मनीष शर्मा विद्यालय प्रबंधक बालेश बुपक्या, श्रीयक कांकरिया, श्रुति बुपक्या प्राचार्य येशा भंसाली, उपप्राचार्य राजकुमार सेजवार एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। समारोह में विद्यालय के नव-निर्वाचित स्कूल कैप्टन तनिष्क माहेश्वरी एवं जागृति पटेल , हाउस कैप्टन, हाउस वाइस कैप्टन तथा स्पोर्ट्स कैप्टन , कल्चर कैप्टन,छात्र परिषद सदस्यों को बैज एवं शपथ दिलाकर उनके दायित्वों का औपचारिक रूप से निर्वहन करने के लिए नियुक्त किया गया। सभी छात्र प्रतिनिधियों ने विद्यालय की गरिमा बनाए रखने, अनुशासन का पालन करने तथा अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह के पश्चात विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का अयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा के साथ कानूनी ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला।

दु:ख की घड़ी में देवड़ा परिवार ने लिया प्रेरणादायी निर्णय, कराया नेत्रदान

खाचरोद। मुकेश देवड़ा परिवार के स्वर्गीय शंकरलाल देवड़ा का कल दोपहर लगभग 4 बजे हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया। उनके निधन से परिवार एवं समाज में शोक की लहर है। दुःख की इस विषम घड़ी में देवड़ा परिवार एवं उनकी सुपुत्री ने मानवता और सेवा की अनूठी मिसाल पेश करते हुए नेत्रदान का पुण्य कार्य कराया। गीता भवन न्यास समिति, डॉ. ददरवाल एवं उनकी टीम तथा जैन सोशल ग्रुप मैत्री, खाचरोद के सहयोग से नेत्रदान की प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस नेत्रदान के माध्यम से दो नेत्रहीन व्यक्तियों के जीवन में नई रोशनी आने की उम्मीद है। देवड़ा परिवार पूर्व से ही लायंस क्लब के माध्यम से नेत्र शिविर, रक्तदान शिविर सहित विभिन्न सामाजिक एवं सेवा कार्यों में सक्रिय रहा है। इन्हीं सेवा संस्कारों से प्रेरित होकर परिवार ने यह अनुकरणीय निर्णय लिया। नेत्रदान की प्रक्रिया के दौरान जैन सोशल ग्रुप मैत्री, खाचरोद के अध्यक्ष राजेंद्र नांदेचा सहित स्वप्निल सुराणा, विनय जैन, पुनीत पी. मेहता एवं प्रफुल दलाल उपस्थित रहे।

सघन जागरूकता अभियान की कार्ययोजना हेतु बैठक अयोजियत

तराना। शनिवार को सघन जागरूकता अभियान कार्यक्रम की कार्ययोजना हेतु बैठक का आयोजन सिविल हॉस्पिटल तराना के सभागार में जिला क्षय एवं नोडल अधिकारी डॉ. अरुण कुशवाहा की अध्यक्षता में की गई।इस अवसर पर प्रमुख विकास खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर प्रमोद अर्गल ने उपस्थित सभी स्टाफ से सघन जागरूकता अभियान में सहयोग करने हेतु निर्देशित किया है । सर्वप्रथम डीटीओ सर डॉक्टर अरुण कुशवाहा सर के द्वारा सघन जागरूकता अभियान की सम्पूर्ण कार्यक्रम की नीति एवं रूपरेखा तैयार की गई।जिसके अंतर्गत 12 अगस्त से 12 अक्टूबर तक जागरूकता रैली को आयोजन किया जाना है; जिसमे ब्लॉक के स्कूल आंगनबाड़ी के साथ ही राष्ट्रीय पर्व ग्राम सभा भी किया जाना है। जिले के समस्त ब्लॉक को कवर करने के लिये समस्त। एन ए सी पी कर्मचारियों को जिम्मेदारी दी गई। शनिवार को मुख्य मीटिंग ब्लॉक स्तरीय पर की गई है। ब्लॉक स्तर पर काउंसलर ,सी एच ओ, ए एन एम, लिंक वर्कर स्कीम के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की गई। उक्त बैठक में अभियान में एच आई वी सिफलिश के वर्टिकल इन्फेक्श के बारे में भी चर्चा की गई कैसे हम गर्भवती महिला से होने वाले बच्चे की बचा सकते। गर्भवती महिलाओ की प्रथम तिमाही में जॉच किया जाना अनिवार्य है।

श्यामपुरा आदर्श विद्या मंदिर स्कूल में छात्र परिषद चुनाव, साधना बनीं विजेता

सुसनेर। समीपस्थ ग्राम श्यामपुरा में आदर्श विद्या मंदिर स्कूल में

विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, लोकतांत्रिक भावना एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से छात्र परिषद चुनाव का आयोजन किया गया। चुनाव को लेकर विद्यार्थियों में उत्साह का माहौल रहा। विद्यालय में शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से मतदान प्रक्रिया संपन्न कराई गई। चुनाव में कुल 10 विद्यार्थियों ने अपनी उम्मीदवारी प्रस्तुत की। मतदान के बाद निर्वाचन समिति द्वारा मतगणना की गई जिसमें कक्षा 8वीं की छात्रा साधना पिता ईश्वर सिंह ने सर्वाधिक मत प्राप्त कर विजय हासिल की। परिणाम घोषित होने के बाद विजेता छात्रा साधना को विद्यालय में पद एवं दायित्व की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य शंभू व्यास ने विजेता छात्रा को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विद्यार्थियों को नेतृत्व, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। चुनाव का सफल संचालन शिक्षक विशाल राठौर के नेतृत्व में निर्वाचन समिति द्वारा किया गया। छात्र परिषद चुनाव के माध्यम से विद्यार्थियों को मतदान प्रक्रिया, नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने तथा जिम्मेदारी निभाने का प्रत्यक्ष अनुभव मिला। विद्यालय प्रबंधन ने विजेता साधना को बधाई देते हुए सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हॉलीवुड में बड़ी छलांग

ऑस्कर विनर क्रो संग प्रियंका की नई फिल्म

प्रियंका चोपड़ा की हॉलीवुड में घुड़दौड़ लगातार जारी है। अब वह ऑस्कर अवॉर्ड विजेता एक्टर रसेल क्रो के साथ फिल्म 'ब्लूफ्लाई' में नजर आएंगी। पीसी ने खुद इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए यह खबर साझा की। उन्होंने एक तस्वीर साझा की। साथ में लिखा, ₹अब अगली फिल्म की ओर।₹ डेडलाइन के अनुसार, यह एक्शन-थ्रिलर से भरपूर काल्पनिक कहानी वाली साइंस फिक्शन फिल्म होगी। निर्देशन निमरोड एंटल कर रहे हैं। अफ्रीकी देश कांगो से कहानी शुरू होती है। यहां संयुक्त राष्ट्र का एक ट्रांसलेटर एक बेहद सीक्रेट मिशन का हिस्सा बन जाता है। उसे एक ऐसे रहस्यमयी विमान को ढूंढने की जिम्मेदारी मिलती है, जिसके बारे में आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं है। मिशन आगे बढ़ने के साथ-साथ हालात खतरनाक होते जाते हैं। स्पेशल फोर्स की टीम मिलिशिया के कब्जे वाले इलाके से गुजरते हुए कई बड़े राज से पर्दा उठाती है। धीरे-धीरे उन्हें समझ आने लगता है कि इस मिशन का मकसद सिर्फ विमान को ढूंढना नहीं है, बल्कि इसके पीछे कोई ऐसा सच छिपा है जिसे दुनिया के सामने आने से हर हाल में रोकना है। यही सस्पेंस फिल्म की सबसे बड़ी ताकत माना जा रहा है। फिल्म की रिलीज डेट को लेकर अभी कोई अपडेट नहीं है

नहीं होगा तलाक, पत्नी ने वापस ली याचिका

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने चुके तमिल सुपरस्टार थलापति विजय और उनकी पत्नी संगीता स्वर्णलिंगम के बीच का पारिवारिक विवाद खत्म हो गया है। दरअसल, संगीता ने शुक्रवार को चेंगलपट्ट की फैमिली कोर्ट में दायर अपनी तलाक की अर्जी वापस ले ली है। उन्होंने वीडियो-कॉन्फ्रेसिंग के जरिए कोर्ट में पेश होकर मामले को आगे न बढ़ाने की वजह भी बताई, जिसके बाद कोर्ट ने केस का निपटारा कर दिया।

बता दें कि इसी साल फरवरी में संगीता ने स्पेशल मैरिज एक्ट, 1954 के तहत चेंगलपट्ट कोर्ट में तलाक की अर्जी दी थी। खबरों के मुताबिक, उन्होंने एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर, मानसिक क्रूरता, उपेक्षा और साथ छोड़ देने का आरोप लगाया गया था। लेकिन अब मामले का निपटारा हो जाने से विजय के फैंस ने राहत की सांस ली है।

किंग खान सबसे बड़े ब्रांड

क्रॉल इंडिया सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन 2025 की रैंकिंग में सुपरस्टार शाहरुख खान ब्रांड वैल्यू के मामले में देश के सबसे बड़े सेलिब्रिटी बनकर उभरे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, उनकी ब्रांड वैल्यू 177।9 मिलियन अमेरिकी डॉलर यानी कि लगभग 1,691 करोड़ रुपए है। इस मामले में उन्होंने स्टार क्रिकेटर विराट कोहली को भी पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल किया है। रणवीर सिंह (162।9 मिलियन डॉलर) दूसरे और विराट कोहली (158।4 मिलियन डॉलर) तीसरे स्थान पर हैं।

आलिया लेडीज में टॉप

आलिया भट्ट भारतीय सिनेमा की सबसे सफल और भरोसेमंद स्टार्स में से एक बन गई हैं। एक्टिंग से आगे बढ़कर वह एक कामयाब बिजनेस वुमन भी बन चुकी हैं। ग्लोबल लेवल पर उनकी बढ़ती लोकप्रियता अब लेटेस्ट सेलिब्रिटी ब्रांड रैंकिंग में भी दिखाई दी है। आलिया भारत की सबसे ज्यादा वैल्यू वाली महिला सेलिब्रिटी बनकर उभरी हैं। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय वित्तीय और जोखिम सलाहकार फर्म क्रॉल की सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन रिपोर्ट 2025 के अनुसार, आलिया ने दीपिका पादुकोण और रश्मिका मंदाना जैसी अभिनेत्रियों को पीछे छोड़ते हुए देश की सबसे वैल्यूएबल महिला सेलिब्रिटी का स्थान हासिल किया है।

आईएमएमएफ में जाएगी हुमा कुरैशी की फिल्म बयान

भारतीय फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) 13 अगस्त से 23 अगस्त तक होने वाला है। इसमें हुमा कुरैशी की आगामी फिल्म 'बयान' दिखाई जाएगी। बिकास रंजन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में हुमा 'रुही' नाम की एक दृढ़ निश्चयी पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं, जो यौन उत्पीड़न के आरोपी एक प्रभावशाली नेता से जुड़े मामले की जांच करती है। एक्ट्रेस ने कहा कि फिल्म में उनकी भूमिका बेहद चुनौतीपूर्ण और संतोषजनक रही है। जांच-पड़ताल की कहानी के साथ-साथ सत्ता, सच और न्याय से जुड़े सवालों ने उन्हें इसमें काम करने के लिए प्रेरित किया।

पडिक्कल नंबर-3 पर खेलेंगे, सरफराज रिप्लेसमेंट हो सकते हैं

साई सुदर्शन श्रीलंका टेस्ट सीरीज से बाहर, पैर की अंगुली में चोट लगी थी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय बल्लेबाज साई सुदर्शन चोट के कारण श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। बाएं पैर के अंगूठे की चोट से पूरी तरह फिट नहीं होने के कारण बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट में वापसी की मंजूरी नहीं दी।

सुदर्शन की जगह पहले टेस्ट में देवदत्त पडिक्कल के नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने की संभावना है। टीम में रिप्लेसमेंट के तौर पर सरफराज खान को शामिल किया जा सकता है।

दोनों टीमों के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगी। दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो के ररउ मैदान पर खेला जाएगा। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 का हिस्सा है।

साई सुदर्शन को पिछले महीने श्रीलंका-ए के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के दौरान पैर के अंगूठे में चोट लगी थी। इससे पहले उन्होंने उसी दौरे पर लगातार दो शतक जड़कर शानदार फॉर्म दिखाई थी। चोट के बाद से वह बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे थे।

सुदर्शन ने रिहैब के दौरान बल्लेबाजी, फील्डिंग और फिटनेस ड्रिल भी शुरू कर दी थी, लेकिन मेडिकल टीम ने उन्हें पूरी तरह फिट नहीं माना। स्पोर्ट्स साइंस टीम के मुताबिक उनकी चोट में काफी सुधार हुआ है, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में वापसी के लिए अभी और समय चाहिए।

सुदर्शन की गैरमौजूदगी में देवदत्त पडिक्कल पहले टेस्ट में नंबर-3 पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। पडिक्कल ने कोलंबो में श्रीलंका इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय वॉर्म-अप मैच में शतक लगाकर अपनी दावेदारी मजबूत की है।

लियोनेल मेसी के पिता जॉर्ज मेसी का निधन

नई दिल्ली। अर्जेंटीना के फुटबॉलर लियोनेल मेसी के पिता जॉर्ज मेसी का 68 साल की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे। पिछले कुछ महीनों से उनका इलाज चल रहा था। मेसी के बचपन के क्लब न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज ने शनिवार को उनके निधन की पुष्टि की। क्लब ने शोक जताते हुए उन्हें मेसी के करियर की सबसे मजबूत ताकत बताया। जॉर्ज सिर्फ मेसी के पिता नहीं थे। वे दो दशक से ज्यादा समय तक उनके एजेंट और सलाहकार भी रहे। बार्सिलोना, इंटर मियामी जैसे बड़े क्लब ट्रांसफर में उनकी अहम भूमिका रही।

स्कॉटलैंड ने जीता 5000वां वनड, कनाडा को 9 रन से हराया

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

स्कॉटलैंड ने वनडे क्रिकेट के 5000वें मैच में कनाडा को 9 रन से हरा दिया। डंडी में खेले गए क्ळउ मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग-2 के इस ऐतिहासिक मुकाबले में फिनले मैकक्रीथ ने शतक लगाया और प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। टॉस हारकर बैटिंग कर रही स्कॉटिश टीम ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 281 रन बनाए। जवाब में कनाडा 49.2 ओवर में 272 रन पर ऑलआउट हो गया। ब्रैंडन मैकमुलेन ने 3 और ओलिवर डेविडसन ने 2 विकेट लिए। स्कॉटलैंड की शुरूआत खराब रही।

नैनो न्यूज

- **एशिया कप से बाहर हो सकती हैं जेमिमा** – भारतीय महिला बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स हैमस्ट्रिंग चोट के कारण द हंड्रेड से बाहर हो गई हैं। एशिया कप में उनकी उपलब्धता पर भी सवाल है।
- **एशियाई खेलों की तैयारी तेज** – भारत में अगस्त का खेल कैलेंडर एथलेटिक्स, बैडमिंटन, हॉकी और कुश्ती की बड़ी प्रतियोगिताओं से भरा है।
- **एशफीश यादव का शानदार प्रदर्शन** – विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में आशीष यादव ने भाला फेंक में रजत पदक जीतकर भारत का खाता खोला।
- **नीरज ने आशीष को सराहा** – भाला फेंक में रजत जीतने वाले आशीष यादव के प्रदर्शन की नीरज चोपड़ा ने प्रशंसा की।
- **अफगानिस्तान की बड़ी जीत** – दूसरे वनडे में अफगानिस्तान ने आयरलैंड को 92 रन से हराया। राशिद खान ने छह विकेट लेकर मैच पलट दिया।
- **भारत-श्रीलंका टेस्ट सीरीज** – आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले श्रीलंका ने भारतीय प्रशंसकों के लिए स्टेडियम में मुफ्त प्रवेश की घोषणा की है।
- **भारतीय टीम में चोटों की चिंता** – जसप्रीत बुमराह समेत कई खिलाड़ियों की चोटों को लेकर बीसीसीआई की चिंता बढ़ी है।

वॉर्म-अप मैच में पडिक्कल का शतक भारत का स्कोर-357/6, जडेजा की फिफ्टी

एजेंसी ▸▸ कोलंबो

कोलंबो में खेले जा रहे तीन दिवसीय वॉर्म-अप मैच के दूसरे दिन भारत ने 357/6 रन बनाए। टीम अभी भी श्रीलंका-11 के पहली पारी के स्कोर से 6 रन पीछे है। शनिवार को देवदत्त पडिक्कल 142 रन बनाकर नाबाद लौटे। उनके साथ गुरनूर बरार ने 18 गेंद में 36 रन की तेज पारी खेली। इससे पहले रवींद्र जडेजा ने 63 रन और मानव सुथार ने 41 रन बनाए।

भारत की शुरूआत खराब रही और यशस्वी जायसवाल बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद कप्तान केएल राहुल और देवदत्त पडिक्कल ने पारी संभाली। राहुल 40 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन पडिक्कल एक छोर पर टिके रहे। उन्होंने 164 गेंद में 142 रन बनाए और दिन का खेल खत्म होने तक नाबाद रहे। पहले ही ओवर में यशस्वी के आउट होने के बाद भारत दबाव में था। इसके बाद केएल राहुल और देवदत्त पडिक्कल ने दूसरे विकेट के लिए 96 रन जोड़कर पारी संभाली। राहुल ने 67 गेंद में 40 रन बनाए। राहुल के आउट होने के बाद पडिक्कल को रवींद्र जडेजा का साथ मिला। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी की। जडेजा ने 117 गेंद में 63 रन बनाए, लेकिन इसके बाद रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए।

आवश्यकता
छुरी वाली कटिंग मशीन एवं सर्कलकटिंग मशीन ऑपरेटर की जो दोनों मशीन चलाना जानता हो, चौकीदार की जो रात दिन फैक्ट्री पर रह सके.
संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 मक्सी रोड इंडस्ट्रियल एरिया प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

आवश्यकता
अशासकीय विद्यालय श्री संस्कृति कॉ. मि. स्कूल भैरवगढ़ में अध्यापन हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रशिक्षित को प्राथमिकता-
योग्यता- B.E.D/D.E.D./Deled
वेतन- 7000 से 8000 प्रतिमाह
राजेश राव हाण्डे- 9977588698
Head Master
Shri Sanskriti Convent Middle School, Bhairavgar

जमीन बेचना है
ग्राम सुमराखेड़ा (तहसील तराना) में मेन रोड से एक खेत छोड़कर रेल पटरी से दक्षिण दिशा में भूमि खेत साढ़े तीन बीघा एवं बिड़ ढाई बीघा बेचना है।
संपर्क करें
940 6801069

किराए से देना है
शहर के मध्य, पुराने दारू गोदाम के सामने, बुनकर समिति के अंदर 1500 & 2000 SQFT कमर्शियल व गोडाउन उपयोग हेतु 16 फीट ऊंचाई टीन शेड, बोरिंग सुविधा, अटैच लेट-बाथ, सर्व सुविधा युक्त
6267735937

खरीदना / किराए से चाहीए
उज्जैन में कोई भी छोटी होटल या होम स्टे, जो चालू अवस्था में हो खरीदना / किराए से चाहीए
संपर्क
9893374872

किराए से देना है
ऑफिस किराए से देना है सी/21 नानाखेड़ा बस स्टैंड के सामने श्रीगंगा के ऊपर प्रथम मंजिल फ्रंट साईड लगभग 500 वर्ग फिट फाइनेंस कंपनी,या मोबाईल कंपनी को प्राथमिकता दी जावेगी
संपर्क करें - रवि गुप्ता
9926466157

मकान बेचना है
साईज 16X25, चार मंजिला होमस्टे हेतु उपयुक्त। कुंआ, दुकान सहित मकान बेचना है
पता
रामरतन शर्मा मार्ग, उज्जैन
फोन: 7869850570
9827832632

बेचना है
अगरबत्ती का कारखाना बेचना है, वियतनाम ऑटोमैटिक मशीन। ड्रायर मिक्सर और अन्य सामान बेचना है। स्थान- नागझिरी, उज्जैन
संपर्क
9111328540

मकान बेचना है
साईज 16X25, चार मंजिला होमस्टे हेतु उपयुक्त। कुंआ, दुकान सहित मकान बेचना है
पता
रामरतन शर्मा मार्ग, उज्जैन
फोन: 7869850570
9827832632

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक-युवती की। पेन्ट-शर्ट बनाने वाले कारीगर की भी आवश्यकता है।
संपर्क करें
9575555715, 9425094114

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

प्रॉपर्टी बेचना है
प्रॉपर्टी बेचना है इंदौर में 1. 700, sqft शॉप मेन रोड, 2. 1500,sqft plot भवर कुआं चौराहे पर, 3. 1500,sqft plot पर बना हुआ शोरूम मेन खंडवा रोड पर, 4. 2,लाख किराए पर लगे बैंक, 5. हॉस्टल विष्णुपुर में, 6. शोरूम विजय नगर में, 7. 1200,sqft रानी बाग में 8. 1500,sqft इंद्रपुरी में 9. रेस्टोरेंट विजय नगर में, 10. लक्जरी फार्म हाउस
संपर्क करें
पीसी राजपूत रीयल एस्टेट
9893713817

प्रवेश प्रारंभ
आवश्यकता है:- शिक्षक / शिक्षिकाओ की (अंग्रेजी माध्यम स्कूल में)
योग्यता :- ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट,
आफिस समय
10 से 01 बजे तक
आवेदन: 23-06-2026
सेन्ट मदार कान्वेंट स्कूल 36, मदार गेट सरदार स्टील के पास उज्जैन
फोन नम्बर:-2557390

तुरंत आवश्यकता है
1 ग्राम ज्वेलरी व आर्टिफिशियल ज्वेलरी की मार्केटिंग के लिए युवक-युवतियों की आवश्यकता है। वेतनमान 15000 से शुरु। ड्यूटी 8 घंटे। कार्य क्षेत्र सिर्फ उज्जैन शहर के लिए।
नोट: इच्छुक व्यक्ति एजेंसी लेने हेतु संपर्क करें।
बाबा डायरेक्ट मार्केटिंग कंपनी मालीपुरा, उज्जैन
मोबाइल- 9981248359

न्यूज कॉलम

खेल मैदान पर चौकीदार कर रहा खेती स्कूल में डेली क्लासेज नहीं लग रही

झाबुआ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झाबुआ ने सरकारी हाई सेकेंडरी स्कूल अंतर्वेलिया के छात्रों की समस्याओं को लेकर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन दिया। शनिवार को दिए गए इस ज्ञापन में स्कूल की अव्यवस्थाओं की वजह से छात्रों की पढ़ाई पर पड़ रहे बुरे असर का जिक्र किया गया। ज्ञापन के मुताबिक, स्कूल में 12वीं क्लास के लिए भूगोल विषय की कक्षाएं सेशन शुरू होने से अब तक नहीं लगी हैं। वहीं अर्थशास्त्र की पढ़ाई भी नियमित नहीं हो पा रही है। बाकी कक्षाओं में भी रोजाना पढ़ाई नहीं हो पा रही है। छात्रों का आरोप है कि अव्यवस्थाओं के खिलाफ आवाज उठाने पर शिक्षक उन पर दबाव बनाते हैं।

सड़कों पर मवेशियों का डेरा वाहन चालकों की बढ़ी परेशानी

धार। धार शहर में आवारा मवेशियों की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। प्रमुख और व्यस्त सड़कों पर मवेशियों के झुंड दिखाई दे रहे हैं। कई जगह मवेशी सड़क के बीचों-बीच बैठ जाते हैं, जिससे वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाना पड़ता है या फिर मवेशियों के बीच से वाहन निकालना पड़ता है। इससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। शहर के इंदौर नाका से आदर्श सड़क और पीजी कॉलेज के सामने तक आवारा मवेशियों की मौजूदगी लगातार बनी हुई है। व्यस्त मार्ग होने के कारण यहां दिनभर वाहनों की आवाजाही रहती है। ऐसे में सड़क पर बैठे मवेशियों के कारण वाहन चालकों को अचानक अपनी रफ्तार कम करनी पड़ती है।

लापता किशोरी को 18 दिन बाद पुलिस ने सुरक्षित बरामद किया

धार। धार जिले के अमझेरा थाना क्षेत्र की दसई चौकी पुलिस ने 18 दिन से लापता किशोरी को सकुशल ढूंढ लिया। किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे सुरक्षित परिजनों को सौंप दिया। पुलिस के अनुसार, 20 जुलाई 2026 को एक अज्ञात आरोपी किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। शिकायत पर अमझेरा थाना की दसई चौकी में अपराध क्रमांक 265/2026 दर्ज किया गया। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137(2) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की गई।

राजा रघुवंशी के दोनों भाइयों को भेजा जेल

इंदौर में ढाबे पर बिना लाइसेंस शराब परोसने के मामले में पांच पर कार्रवाई

इंदौर। इंदौर पुलिस ने राजा रघुवंशी के दोनों भाई विपिन रघुवंशी और सचिन रघुवंशी सहित पांच लोगों पर कार्रवाई की है। पुलिस ने यह कार्रवाई उनके ढाबे पर बिना लाइसेंस के शराब परोसने पर की। दरअसल, शुक्रवार रात पुलिस राऊ क्षेत्र में होटल और ढाबों की चेकिंग कर रही थी। टीम ने एक के बाद एक कई ढाबे और होटल चेक किए। इसके बाद पुलिस की टीम राजा भोज ढाबे पर पहुंची, जहां का नजारा देखकर पुलिस हरकत में आई। यहां लोग टेबलों पर बैठकर शराब पीते मिले। पुलिस को देखते ही वहां मौजूद लोग भी चौंक गए। इधर, एसीपी निधि सक्सेना ने बताया कि शुक्रवार को पुलिस ने राऊ इलाके में चैकिंग की थी। चैकिंग के दौरान इलाके के होटलों और ढाबों को चेक किया गया। इस दौरान टीम राजा भोज ढाबे पहुंची। यहां पर पाया गया कि यहां पर बिना लाइसेंस के शराब परोसी जा रही थी। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और पांच लोगों पर कार्रवाई की है। इसमें सचिन रघुवंशी, विपिन रघुवंशी, शिव यादव, शुभम और विशाल शामिल है। कार्रवाई करने के साथ ही प्रतिबंधात्मक धाराओं में जेल भेजा गया है। बताया जा रहा है कि उन्होंने ढाबे पर काम करने वालों की जानकारी भी थाने पर नहीं दी थी। पिछले काफी वक्त से ये ढाबा यहां संचालित हो रहा है।

नैनो न्यूज

- **मनमाड़-इंदौर रेल परियोजना को मंजूरी** – केंद्र ने 18,036 करोड़ की 309 किमी रेल परियोजना को मंजूरी दी है। इससे पीथमपुर के औद्योगिक क्षेत्र और माल परिवहन को बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है।
- **जीईएम टेंडर में कथित गड़बड़ी** – सरकारी स्कूलों के स्मार्ट-क्लासरूम के लिए इंटरैक्टिव पैनल खरीद टेंडर में कथित हेराफेरी के मामले में इंदौर में एक प्रोग्रामर और निजी फर्म संचालक पर केस दर्ज हुआ।
- **30 करोड़ की सरकारी जमीन मुक्त** – पिपलियारा, क्षेत्र में अवैध कॉलोनी पर प्रशासन ने कार्रवाई कर करीब दो एकड़ सरकारी जमीन मुक्त कराई।
- **सोना-चांदी बाजार में तेजी** – देशभर में सोने और चांदी के दामों में तेजी का रुख बना हुआ है, जिसका असर इंदौर के सराफा कारोबार पर भी पड़ रहा है।
- **शेयर बाजार में तेजी का असर** – आरबीआई के रुख और वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार में तेजी दर्ज हुई, जिससे इंदौर के निवेशकों और कारोबारियों की बाजार गतिविधियां प्रभावित हुईं।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर इंदौर में आदिवासी समाज की ओर से निकाली गई विशाल रैली

हजारों युवा पारंपरिक वेशभूषा में हुए शामिल, ढोल-नगाड़ों के साथ थिरकते नजर आए

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को इंदौर में आदिवासी समाज की ओर से विशाल रैली निकाली गई। जुलूस में हजारों की संख्या में युवा शामिल हुए। आदिवासी वेशभूषा में सजे युवाओं ने पारंपरिक अंदाज में शामिल होकर अपनी संस्कृति और एकता का संदेश दिया।

जुलूस सुबह 6 बजे लालबाग परिसर से शुरू हुआ था। इसके बाद यह कलेक्टोरेट चौराहा, पलसीकर चौराहा, सोनकर धर्मशाला चौराहा, सिंधी कॉलोनी चौराहा और टावर चौराहा होते हुए भंवरकुआं चौराहे पहुंचा। यहां से जुलूस राजीव गांधी चौराहे पहुंचा, जहां इसका समापन हुआ।

रैली में बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के युवा पारंपरिक वेशभूषा में नजर आए। हाथों में झंडे और पारंपरिक वाद्ययंत्र लेकर युवाओं ने उत्साह के साथ रैली में हिस्सा लिया। आयोजन के दौरान आदिवासी संस्कृति, परंपरा और समाज की एकजुटता का संदेश दिया गया।

आदिवासी गीतों की धुन पर हजारों की संख्या में युवा एक साथ नृत्य करते नजर आए। आयोजकों ने इस सामूहिक नृत्य के जरिए रिकॉर्ड बनाने का दावा किया है।

अरुण बड़ोले बोले- आदिवासी संस्कृति और परंपराओं के सम्मान का दिन है- इंदौर में जंतर-मंतर के समर्थन में आंदोलन खड़ा करने वाले अरुण बड़ोले बोले- विश्व आदिवासी दिवस भारत समेत दुनिया के कई देशों में मनाया जाता है। यह दिवस आदिवासी समुदायों के हक-अधिकार, जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के साथ उनकी रीति-रिवाज और परंपराओं को सम्मान देने का अवसर है।

इस दिन आदिवासी संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। साथ ही, आदिवासी समुदाय जल, जंगल और जमीन के संरक्षण सहित अपने अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर जागरूकता और संघर्ष का संदेश देते हैं।

महिलाएं अब अपने हक-अधिकार के लिए आवाज उठा रही हैं

रैली में शामिल सामाजिक कार्यकर्ता शामिल दीक्षा ने कहा कि एक समय था, जब महिलाएं घर तक सीमित रहती थीं और चूल्हा-चौका ही उनकी जिम्मेदारी माना जाता था। आज महिलाएं अपने हक-अधिकार के लिए सड़कों पर उतरकर आवाज उठा रही हैं और अपने अधिकारों के लिए सरकार के सामने मजबूती से अपनी बात रख रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें उनका हक नहीं मिलेगा, तो उसे हासिल करना भी आता है। अपने अधिकारों के लिए उनकी लड़ाई आगे भी जारी रहेगी।

- **टंट्या भील चौराहे पर रैली देखने उमड़ी भीड़-** टंट्या भील चौराहे पर रैली को देखने के लिए ब्रिज के ऊपर बड़ी संख्या में लोग खड़े नजर आए। रैली के गुजरने के दौरान लोगों ने उत्साह के साथ यात्रा को देखा।
- **आदिवासी गीतों की धुन पर बच्चे भी थिरकते नजर आए-** आदिवासी गीतों की धुन पर बच्चे भी उत्साह से नाचते नजर आए। उन्होंने पारंपरिक अंदाज में नृत्य कर रैली के माहौल में रंग भर दिया।

रेवती रेंज में 51 हजार पौधारोपण का कार्यक्रम

2024 के 12.41 लाख पौधों की री-काउंटिंग होगी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के रेवती रेंज में रविवार को 51 हजार पौधों के रोपण का आयोजन शुरू हो गया है। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत हो रहे इस कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय समेत कई जनप्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। आयोजन के दौरान 2024 में लगाए गए 12 लाख 41 हजार 17 पौधों की री-काउंटिंग भी की जाएगी। खास बात यह है कि रेवती रेंज में साल 2024 में भी बड़े स्तर पर पौधारोपण किया गया था। उस दौरान इंदौर की जनता की भागीदारी से 12 लाख 41 हजार 17 पौधे लगाए गए थे, जिसके लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया था।

2024 में लगाए पौधों की री-काउंटिंग

अब 2024 में लगाए गए पौधों की री-काउंटिंग कराई जा रही है। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि इनमें से कितने पौधे सुरक्षित और जीवित हैं। यदि बड़ी संख्या में पौधे जीवित पाए जाते हैं तो इसे एक और विश्व रिकॉर्ड की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा सकता है। आयोजकों ने लोगों से अपील की है कि वे रेवती रेंज पहुंचकर 2024 में लगाए गए पौधों की री-काउंटिंग के साक्षी बनें और एक पौधा लगाकर हरित अभियान से जुड़ें। शनिवार को भी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रेवती रेंज में पौधारोपण किया।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे चलाएगा 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ मालीगांव

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे 9 अगस्त से 17 अगस्त 2026 तक हर घर तिरंगा अभियान चलाएगी। यह अभियान भारत सरकार के उस पहल के तहत है, जिसका उद्देश्य नागरिकों को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने और तिरंगे के साथ एक व्यक्तिगत एवं भावनात्मक जुड़ाव स्थापित पैदा करना है।

हर घर तिरंगा अभियान की शुरूआत भारत सरकार द्वारा 2022 में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत की गई थी, जिसका उद्देश्य नागरिकों को अपने घरों में गर्व से राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित कर देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना के उत्सव में भागीदारी के लिए प्रेरित करना था। प्रति वर्ष, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे अत्यधिक उत्साह के साथ हर घर तिरंगा अभियान मनाता है, जिससे देशभक्ति की भावना को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ सार्वजनिक भागीदारी को प्रोत्साहन मिलता है। इसी परंपरा को जारी रखते हुए, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे इस वर्ष भी अपने पूरे क्षेत्राधिकार में पुनः इस अभियान का आयोजन करने जा रहा है। रेल अधिकारियों और कर्मचारियों को इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने और अपने परिवारों तथा आम लोगों को अभियान के दौरान अपने घरों पर गर्व के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया जाएगा। रेल कार्यालयों और प्रतिष्ठानों में ध्वजारोहण के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जबकि प्रमुख रेलवे स्टेशनों और अन्य महत्वपूर्ण रेल परिसरों को राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में तिरंगे के रंगों से प्रकाश सज्जा किया जाएगा।

महिला से छेड़छाड़ और ब्लैकमेलिंग का आरोप

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

बाणगंगा इलाके में एक महिला ने पड़ोस में रहने वाले परिचित युवक पर छेड़छाड़, पीछा करने, धमकाने और फोटो एडिट कर बदनाम करने का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी जितेंद्र सोलंकी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक, निजी सेलिंग कंपनी में काम करने वाली महिला ऑनलाइन व्यापार भी करती है। इसी दौरान जितेंद्र उसके संपर्क में आया था। महिला का आरोप है कि आरोपी आए दिन उसका पीछा करता और उस पर मिलने के लिए दबाव बनाता था। विरोध करने पर उसे और उसके परिवार को बदनाम करने की धमकी देता था।

महिला ने पुलिस को बताया कि शनिवार को वह बेटे को स्कूल छोड़ने जा रही थी। इसी दौरान जितेंद्र ने उसका पीछा किया और उससे बात करने का दबाव बनाया। आरोपी ने धमकी दी कि अगर उसने उसकी बात नहीं मानी तो वह उसे बदनाम कर देगा।

महिला के मुताबिक, आरोपी पहले भी रास्ते में उसे रोककर अपशब्द कहता था और आसपास के लोगों से उससे बात नहीं करने के लिए कहता था। वह उसके आने-जाने पर भी नजर रखता था।

एक बार आरोपी ने महिला को उसके बेटे के साथ सामान लेने जाते समय रोका और पति व बेटे को जान से मारने की धमकी दी। उसने महिला से कहा कि जब भी वह उसे बुलाए, चुपचाप मिलने आना होगा।

एक दिन नौकरी की, 90 हजार लेकर हुआ फरार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

अन्नपूर्णा इलाके के एक पेट्रोल पंप पर कर्मचारी ने एक ही दिन में पंप मालिक को 90 हजार रुपए की चपत लगा दी। वह यहां काम करने आया था। उसे सुबह नौकरी पर ट्रेनिंग देकर रखा गया था। रात में कलेक्शन के रुपए जमा कराने के दौरान वह फरार हो गया। पुलिस ने मामले में शनिवार को एफआईआर कर आरोपी की तलाश शुरू की है।

अन्नपूर्णा पुलिस ने महूनाका स्थित उषाराज पेट्रोल पंप के सुपरवाइजर आशीष चौहान की शिकायत पर विजय सिंह पुत्र विष्णुसिंह, निवासी फतेहपुर सीकरी, के खिलाफ चोरी के मामले में एफआईआर की है। आशीष ने बताया कि 20 जुलाई को विजय सिंह उनके पास काम के लिए आया था। उसने अपना आधार कार्ड दिया। उसे एक दिन की ट्रेनिंग दी गई। इसके बाद 21 जुलाई की सुबह उसे नौकरी पर रखा गया। वह सुबह 11 बजे ड्यूटी पर आया। रात 11 बजे कर्मचारियों की शेड्यूल के हिसाब से ड्यूटी खत्म होने पर काउंटर पर सभी कर्मचारी बेचे गए पेट्रोल के रुपए जमा कर रहे थे।

पेनकिलर के बाद दोनों किडनी खराब, 4 साल से डायलिसिस

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर में रहने वाले 37 वर्षीय जितेंद्र कुमार की जिंदगी बीमारी ने पूरी तरह बदल दी। दोनों किडनी खराब होने के बाद पिछले चार साल से वे डायलिसिस पर हैं। सप्ताह में तीन दिन डायलिसिस के लिए अस्पताल जाना पड़ता है। आर्थिक परेशानियों और लगातार बिगड़ती सेहत के बावजूद जितेंद्र ने हिम्मत नहीं छोड़ी। अब वे अपनी क्षमता के अनुसार फल का ठेला लगाकर परिवार की जिम्मेदारी उठाने की कोशिश कर रहे हैं। इस काम के लिए उन्हें इंदौर के समाजसेवियों से मदद मिली है। जितेंद्र मूल रूप से अशोक नगर के रहने वाले हैं। साल 2017 में रोजगार की तलाश में इंदौर आए और यहां इलेक्ट्रिशियन का काम करने लगे। काम के दौरान होने वाली थकान और दर्द के कारण उन्होंने पेनकिलर लेना शुरू किया।

युवती का भाभी पर हत्या की साजिश का आरोप

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के तिलक नगर थाने में 25 वर्षीय युवती की शिकायत पर उसकी रिश्ते में लगने वाली भाभी और उसके साथियों के खिलाफ रविवार को एफआईआर दर्ज की गई है। युवती ने आरोप लगाया है कि उसके खिलाफ मारपीट, बदनाम करने, झूठे केस में फंसाने और जान से मारने की साजिश रची जा रही थी। पुलिस ने मामले में भाभी श्रद्धा को आरोपी बनाया है, जबकि अन्य लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। युवती मूल रूप से इंदौर से बाहर की रहने वाली है और पिछले कई सालों से यहां रहकर पढ़ाई कर रही है। उसने पुलिस को बताया कि 19 मई को वह अपनी स्कूटी लेने रिश्ते के भाई के आनंदवन स्थित घर गई थी। वहां भाभी श्रद्धा ने उसे अपशब्द कहे और मारपीट की।

कॉल सेंटर के कर्मचारी ने किया सुसाइड

दवा बाजार के पास हुए हादसे में भी युवक की मौत

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

कनाड़िया इलाके में रविवार सुबह एक युवक का शव उसके कमरे में मिला। मृतक की पहचान हर्ष रामपाल (निवासी नीर कॉलोनी) के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव बरामद कर जांच शुरू की। रिश्तेदारों के मुताबिक, हर्ष काफी समय से मानसिक तनाव में था।

शनिवार रात उसकी प्रेमिका से कहासुनी होने की बात भी सामने आई है। हर्ष की बहन अमेरिका में रहती है और वह भी उसके पास जाना चाहता था। इसके लिए वह अपना मकान बेचने की तैयारी में था, लेकिन मकान बेचने के लिए बहन की एनओसी की जरूरत थी। रिश्तेदारों के अनुसार, बहन के इंदौर नहीं आ पाने के कारण यह प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही थी। हर्ष के पिता की 2018 में मौत हो चुकी थी। कोविड के दौरान उसकी मां की भी मौत हो गई थी। इसके बाद वह इंदौर में अकेला रह रहा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कर्ज के चलते ड्राइवर ने जान दी

दूसरी ओर, द्वारकापुरी थाना क्षेत्र के विदुर नगर में कर्ज से परेशान एक युवक ने जान दे दी। मृतक की पहचान राज चंदेल (30) के रूप में हुई है। वह पेशे से ड्राइवर था। पुलिस के मुताबिक, राज ने शनिवार रात अपने घर में फांसी लगा ली। परिजनों और पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, राज को शराब पीने की आदत थी और घटना वाली रात भी उसके शराब पीने की बात सामने आई है। प्रारंभिक जांच में उसके कर्ज में होने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, आत्महत्या के वास्तविक कारणों की पुलिस जांच कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले में जांच शुरू कर दी है।

बाइक डिवाइडर से टकराई, युवक की मौत संयोगितागंज थाना क्षेत्र में दवाई बाजार के पास शनिवार रात सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, बाइक सवार डिवाइडर से जा टकराया। मृतक की पहचान अंकुर जिंदल निवासी पटेल नगर के रूप में हुई है। हादसा रात करीब 2 बजे हुआ।

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapress@gmail.com